RNI NO. KARHIN/2021/82440 | बेंगलूरु, शनिवार, 30 अगस्त 2025 | वर्ष-5, अंक- 54 | पृष्ठ-8, मूल्य- 5 रुपए | HIND SAGAR PRAHARI LOKTANTRA KA

अमन बेच देंगे, कफ़न बेच देंगे।
ज़मीं बेच देंगे, गगन बेच देंगे।।
कलम के सिपाही अगर सो गये तो,
वतन के मसीहा, वतन बेच देंगे'।
'सोच का नया संसार बनाएंगे।
इक ज्योत से हज़ारों दीप जलाएंगे।।
न काफी हूँ मैं अकेला इस प्रण के लिए।
इसलिए, हर कलम को अब कुदाल बनाएंगे'।।

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

हिन्द सागर प्रहरी लोकतंत्र का

जनसूचना से जनजागरण
आम आदमी का मीडिया मंच

Posted at Bengaluru PSO, Bengaluru - 560026, Daily Newspaper. Regd. No.KRNA/BGE-1172/2023-2025
प्रधान संपादक: शिवसागर पाण्डेय
समाचार पत्र का प्रकाशन बेंगलूरु
ಹಿಂದ್ ಸಾಗರ್ ಪ್ರಹರಿ ಲೋಕ್ ತಂತ್ರ ಕಾ...

सुविचार
मुश्किल वक्त ही इंसान को मजबूत बनाता है

डेमोग्राफी बदलने की कोशिश करने वालों को खुद होगा पलायन

संभल हिंसा पर सीएम का कड़ा बयान

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल हिंसा मामले की जांच रिपोर्ट के बाद अपने पहले बयान में साफ कर दिया कि उनकी सरकार किसी भी इलाके की जनसंख्या संरचना (डेमोग्राफी) को नहीं बदलने देगी। उन्होंने कहा कि जो भी ऐसा करने की कोशिश करेगा उसे खुद ही पलायन करना पड़ेगा। अब यह बयान यह दशार्ता है कि योगी सरकार इस मामले को लेकर कितनी गंभीर है और प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ा रुख अपना रही है। सीएम योगी ने प्रतापगढ़ में एक कार्यक्रम दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारें जानबूझकर चुन-चुन कर हिंदुओं को निशाना बनाती थीं। उनके शासनकाल में दंगे कराए जाते थे और इलाके ऐसे बनाए जाते थे जहां हिंदू कम हो जाते थे यानी हिंदू विहीन इलाका बन जाता था। योगी ने आरोप लगाया कि यह सब डेमोग्राफी को बदलने की एक साजिश थी ताकि हिंदुओं का प्रभाव कम हो सके। बता दें सीएम योगी आदित्यनाथ हाल ही में प्रतापगढ़ पहुंचे, जहां उनका भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन में उतरने के बाद उन्होंने सबसे पहले मावला देवी धाम में पूजा-अर्चना की। उसके बाद जीआईसी मैदान में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस जनसभा में उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला और अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का बखान किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। यह सरकार किसी भी कीमत पर प्रदेश की जनसांख्यिकी को बदलने नहीं देगी। उन्होंने साफ किया कि अब कोई भी ऐसा करने की कोशिश करेगा तो उसे प्रदेश या जिले से पलायन करना पड़ेगा। इसका मतलब यह है कि योगी सरकार ने इस मुद्दे पर जीरो टॉलरेंस का निर्णय लिया है। सीएम ने यह भी कहा कि अब शासन बिना किसी भेदभाव के चलता है। अब तुष्टिकरण की राजनीति नहीं बल्कि संतुष्टीकरण के जरिए सभी नागरिकों को सशक्त बनाने की नीति पर काम किया जा रहा है। सीएम योगी ने प्रतापगढ़ को करीब 550 करोड़ रुपए की 116 नई परियोजनाओं की घोषणा की। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को मकानों की चाबियां सौंपी गईं। छात्र सम्मान में सीएम ने कई विद्यार्थियों को लैपटॉप भी वितरित किए। यही नहीं योजना के तहत लाभार्थियों को 25-25 हजार रुपए के ऋण चेक भी दिए गए, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सकेगा।

उत्तराखंड के चमोली व रुद्रप्रयाग में फटा बादल, कई लोग लापता, धामी ने जताया दुख

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के कई स्थानों पर लगातार बारिश के बीच चमोली जिले में भूस्खलन की चपेट में आकर एक परिवार के दो सदस्य लापता हो गए जबकि रुद्रप्रयाग जिले की बसुकेदार तहसील में बड़ेथ डुंगर तोक क्षेत्र में बादल फटने से कई लोगों के लापता होने की आशंका है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इन घटनाओं में कुछ परिवारों के लोगों के फंसे होने पर दुख जताते हुए उनके सकुशल होने की बाबा केदार से प्रार्थना की है। अधिकारियों ने बताया कि चमोली, रुद्रप्रयाग और टिहरी जिलों में कई स्थानों पर देर रात से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि चमोली जिले की थराली तहसील के देवाल क्षेत्र के मोपाटा गांवध में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन की चपेट में कुछ मकान आ गए। चमोली के जिलाधिकारी डॉ. संदीप तिवारी ने बताया कि मोपाटा में एक मकान और गोशाला के भूस्खलन की चपेट में आने से उसमें रह रहा एक दंपति मलबे में दब गया। उन्होंने बताया कि घटना में एक अन्य दंपति को भी मलबे से बाहर निकाला गया और उन्हें चोटें आयी हैं। गोशाला में बंधे 15-20 मवेशियों के भी मलबे में दबे होने की सूचना है। लापता दंपति की पहचान तारा सिंह और उसकी पत्नी के रूप में हुई है। विक्रम सिंह और उसकी पत्नी घायल हुए हैं। रुद्रप्रयाग जिले में बड़ेथ डुंगर क्षेत्र में बादल फटने से छेनागाड़ डुंगर गांव तथा जौला बड़ेथ गांवों में कुछ लोगों के लापता होने की सूचना है।

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे मुंबई पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलनरत मनोज जरांगे शुक्रवार सुबह मुंबई पहुंचे और अपनी मांग के समर्थन में यहां के ऐतिहासिक आजाद मैदान में एक रैली आयोजित की। जरांगे को शुक्रवार सुबह नौ बजे से शाम छह बजे तक के लिए ही विरोध प्रदर्शन करने की सशर्त अनुमति दी गई है। अधिकारियों ने सात हजार वर्ग मीटर के निर्धारित क्षेत्र में पांच हजार लोगों की उपस्थिति की ही मंजूरी दी है। प्रशासन ने रैली स्थल पर सुरक्षा उपाय कड़े करते हुए स्थानीय पुलिस बलों के साथ-साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और महाराष्ट्र सुरक्षा बल की कंपनियों को आजाद मैदान के अंदर और विरोध स्थल के बाहर तैनात कर दिया है। जरांग ने प्रदर्शन करने की सीमित अवधि को लेकर कड़ी आलोचना की है और इसे मराठा समुदाय का अपमान बताया है। उन्होंने शुक्रवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की है।

चालू वित्त वर्ष में यात्री वाहनों की बिक्री एक से 4: बढ़ने का अनुमान: इक्रा

मुंबई (एजेंसी)। घरेलू यात्री वाहन उद्योग में चालू वित्त वर्ष 2025-26 में थोक बिक्री में एक से चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शुक्रवार को कहा कि मूल उपकरण विनिमार्ता (ओईएम) द्वारा स्थिर पेशकश और जीएसटी दर में संभावित कटौती से चुनिंदा क्षेत्रों में मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। केंद्र ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) के समक्ष पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय जीएसटी संरचना के साथ-साथ कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर का प्रस्ताव रखा है। देश की प्रमुख मोटर वाहन कंपनियां सोमवार (एक सितंबर) को अगस्त महीने की बिक्री के आंकड़े जारी करेंगी। इक्रा ने कहा कि जुलाई में थोक बिक्री में क्रमिक आधार पर 8.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई क्योंकि ओईएम ने त्योहारों के मद्देनजर पहली की खेप तैयार कर ली। हालांकि बिक्री की मात्रा सालाना आधार पर 3.4 लाख इकाइयों पर स्थिर रही।

आर्थिक सुधारों की नई पहल, सरकार ने बनाई उच्च स्तरीय समिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस पर नए आर्थिक सुधारों के आह्वान के बाद केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। सरकार ने उन अहम क्षेत्रों की पहचान की है, जिनमें निश्चित समय सीमा के भीतर सुधार किए जाएंगे। योजना के तहत खनन और बिजली उत्पादन को दोगुना करने, बड़े निवेश आकर्षित करने, नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने, लघु एवं उच्च मॉड्यूलर रिएक्टर विकसित करने और कोयला गैसीकरण जैसी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए विकसित भारत लक्ष्यों पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता नीति आयोग के सदस्य राजीव गाबा करेंगे। समिति आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को गति देने के लिए रोडमैप तैयार करेगी। साथ ही, एक दूसरी समिति गैर-वित्तीय नियामकीय सुधारों पर काम करेगी। यह समिति मौजूदा कानूनों की प्रासंगिकता की समीक्षा करेगी और अनुपालन का बोझ कम करने के लिए स्व-अभिप्रमाणन व तीसरे पक्ष की निगरानी जैसे विकल्पों पर विचार करेगी।

भारत में पूंजी केवल बढ़ती नहीं, बल्कि कई गुना बढ़ती है, जापान से पीएम मोदी का मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत

और जापान मिलकर स्थिरता, वृद्धि और समृद्धि के लिए एशियाई सदी को आकार देंगे। मोदी ने यहां आयोजित भारत-जापान आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए कहा कि जापान की उत्कृष्टता एवं भारत की व्यापकता एक आदर्श साझेदारी और पारस्परिक वृद्धि का निर्माण कर सकती है। प्रधानमंत्री आज सुबह दो दिवसीय यात्रा पर जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार और शुल्क नीतियों को लेकर अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में तनाव है। भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में पेश करते हुए मोदी ने कहा कि देश में राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ नीतिगत निर्णयों में पारदर्शिता के साथ भरोसेमंद होना है। उन्होंने कहा कि भारत में पूंजी केवल बढ़ती ही नहीं, बल्कि कई गुना बढ़ती है। मोदी ने कहा, भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द यह तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने कृत्रिम मेधा (एआई), सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में साहसिक एवं महत्वाकांक्षी पहल की हैं। उन्होंने कहा कि जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की प्रौद्योगिक क्रांति का नेतृत्व कर सकती है। मोदी ने कहा कि भारत और जापान... मोटर वाहन क्षेत्र जैसी सफल साझेदारी अब रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, जहाज विनिर्माण और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्रों में भी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा में जापान सदैव एक महत्वपूर्ण साझेदार रहा है। मेट्रो से लेकर विनिर्माण तक, सेमीकंडक्टर से लेकर स्टार्टअप तक हर क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बनी है। मोदी ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ में जापानी कंपनियों को एक आधार प्रदान करता है। भारत और जापान ग्लोबल साउथ खासकर अफ्रीका के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

बार-बार पाकिस्तान जाने वाले नहीं कर सकते असम का नेतृत्व, शाह ने बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते जो बार-बार पाकिस्तान जाते हैं। अमित शाह ने स्पष्ट तौर पर यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के पाकिस्तान के साथ कथित संबंधों की ओर इशारा करते हुए कही। केंद्रीय गृह मंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों की आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए अगले साल मार्च-अप्रैल में होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए युद्ध का बिगुल फूंका। उन्होंने कहा कि राज्य का प्रतिनिधित्व ऐसे नेता नहीं कर सकते जो घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के प्रति सहानुभूति रखते हों। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर में अनेक विकास कार्य किए हैं और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उस विकास को राज्य के घर-घर तक पहुंचाया है। इन कार्यों की बदौलत, भाजपा के नेतृत्व वाला राजग अगले

साल लगातार तीसरी बार असम में सरकार बनाएगा। विपक्षी कांग्रेस की आलोचना करते हुए शाह ने कहा कि असम का प्रतिनिधित्व घुसपैठियों के प्रति सहानुभूति रखने वाले और अतिक्रमण को बढ़ावा देने वाले लोग नहीं कर सकते। गौरव गोगोई के संदर्भ में अमित शाह ने कहा, असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते, जो अकसर पाकिस्तान जाते हैं। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई पर उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंधों को लेकर हमला बोलते रहे हैं। शर्मा ने दावा किया था कि गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न ने भारत और पाकिस्तान के बीच 19 बार यात्रा की थी। शाह ने कहा, घुसपैठियों ने हमारी हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया। भाजपा सरकार ने हर जगह से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया, लेकिन गौरव गोगोई ने इसका विरोध किया... असम सरकार ने घुसपैठियों के अतिक्रमण से 1,29,548 एकड़ जमीन मुक्त कराई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा ने घुसपैठियों को बाहर निकालकर श्रीमंत शंकरदेव और महापुरुष माधवदेव के सत्रों (वैष्णव मठों) की पवित्रता को बहाल किया है।

जमानत मामले में 21 बार सुनवाई टलने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट नाराज; दिया यह निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मामले पर कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस मामले पर नाराजगी जताई, जिसमें एक आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई 21 बार टल चुकी थी। अदालत ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े मामलों का त्वरित निपटारा होना चाहिए और इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से इस मामले पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने का अनुरोध किया। 'व्यक्तिगत

स्वतंत्रता से जुड़े मामले शीघ्र सुने और निपटाएं' पीठ ने कहा, 'बार-बार हम कह चुके हैं कि नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े मामलों को शीघ्रता से सुना और निपटाया जाना चाहिए।' हालांकि कोर्ट ने फिलहाल आरोपी को जमानत देने से इनकार किया, लेकिन स्पष्ट किया कि अगली तारीख को हाई कोर्ट को मामले का निस्तारण करना होगा। पीठ कुलदीप नाम के व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, तभी उसके वकील ने कहा कि उसकी जमानत याचिका पर सुनवाई उच्च न्यायालय में 21 बार स्थगित की गई और मामले की सुनवाई दो महीने बाद की जानी है। जब वकील ने हाल ही के एक मामले का हवाला दिया जिसमें शीर्ष अदालत ने एक अभियुक्त को जमानत दे दी थी क्योंकि उसकी याचिका पर सुनवाई 43 बार स्थगित की गई थी।

'आतंकवाद के खिलाफ मानवता की जीत का स्वर्णिम अध्याय है ऑपरेशन सिंदूर', राष्ट्रपति मुर्मू का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ मानवता की लड़ाई का एक स्वर्णिम अध्याय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस और रिपोर्टिंग प्रणाली के निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के योगदान की तारीफ की। आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लाभ कमा रहे सार्वजनिक उद्यम स्कोप एमिनेंस अवाड्र्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने साल

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की भूमिका पर बात की। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने राजस्व और लाभ सहित प्रमुख वित्तीय मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि तीन-चौथाई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम लाभ कमा रहे हैं, और पिछले दशक के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का शुद्ध लाभ काफी बढ़ा है। ऑपरेशन सिंदूर में आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम की रही अहम भूमिका राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सार्वजनिक उद्योगों ने सुशासन और पारदर्शिता के क्षेत्र में मानक स्थापित किए हैं। राष्ट्रपति ने मेक इन इंडिया अभियान की अहमियत पर कहा 'सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं।' देश के रक्षा क्षेत्र का विशेष उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादी शिविरों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया और भारत पर हमले के प्रयासों को विफल कर दिया।

पटना कांग्रेस दफ्तर पर भाजपा कार्यकताओं ने बोला धावा, जमकर चले लाठी-डंडे

मारो और तोड़ो:राहुल

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी ने बिहार की राजनीति में उबाल ला दिया है और इस मुद्दे को लेकर आज पटना में भाजपा और कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़प हुई। प्रधानमंत्री के खिलाफ की गयी आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय, सदाकत आश्रम के बाहर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ता राहुल गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन में बिहार सरकार के मंत्री संजय सरावगी, नितिन नवीन, विधायक संजीव चौरसिया और अरुण सिन्हा, महानगर अध्यक्ष रूप नारायण मेहता समेत लगभग 500 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने राहुल गांधी और महागठबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि

प्रधानमंत्री के प्रति असम्मानजनक भाषा का प्रयोग केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्र का अपमान है। प्रदर्शन के दौरान हालात उस समय बिगड़ गए जब दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद पत्थरबाजी शुरू हो गई। इस हिंसा में दोनों ओर से दर्जनों कार्यकताओं के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद इलाके में अफरा- तफरी मच गई और पुलिस बल की तैनाती करनी पड़ी। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विनोद शर्मा ने घटना पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि, हम शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस कार्यकताओं ने पत्थरबाजी शुरू कर दी।

प्रधानमंत्री की जापान, चीन की यात्रा पर जयराम रमेश का तीखा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जापान और चीन यात्रा पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को तीखा हमला बोला है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, झूठ बोलने वाले प्रधानमंत्री इस बार जापान और चीन की यात्रा पर हैं। चीन यात्रा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। हमें चीन के साथ संबंध सामान्य करने के लिए मजबूर किया जा रहा है और वह भी ज्यादातर चीन की शर्तों पर। चीन, भारत-अमेरिका संबंधों में आई गिरावट का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर

के दौरान पाकिस्तान और चीन की जुगलबंदी का खुलासा हमारी ही सैन्य प्रतिष्ठान ने किया था लेकिन अब उसे मानो भुला दिया गया है। जयराम रमेश ने कहा प्रधानमंत्री का 19 जून 2020 का अत्यंत विचित्र एवं कायराना बयान, जिसमें उन्होंने कहा था कि ना कोई हमारी सीमा में घुसा है और ना ही कोई घुसा हुआ है, हमारी बातचीत की क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर किया है। उसी बयान के कारण भारत के पास अब बहुत कम गुंजाइश बची है। अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने में विफलता के बावजूद यह यात्रा उसी कुख्यात एवं कायरतापूर्ण क्लीन चिट का परिणाम है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु, शनिवार, 30 अगस्त 2025

लखनऊ से बेंगलुरु गए शुभांशु शुक्ला, अंतरिक्ष से लौटने के बाद 1 घंटे घर पर रहे, माता-पिता ने माला पहनाई

लखनऊ (संवाददाता)। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला लखनऊ एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए हैं। शाम 4 बजे उनका बेंगलुरु के लिए फ्लाइट है। अंतरिक्ष से लौटने के बाद एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला शुक्रवार सुबह पहली बार लखनऊ में अपने घर पहुंचे थे। पत्नी कामना और 6 साल का बेटा किआंश भी उनके साथ थे। माता-पिता ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। गले लगाया। शुभांशु ने माता-पिता का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। परिवार के सदस्यों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। बहन पीठ थपथपाते हुए उन्हें घर के अंदर ले गई। शुभांशु की मां आशा देवी ने बेटे की पसंदीदा डिश मूंगदाल का हलवा और कई अन्य पकवान बनाए हैं। उन्होंने कहा- यह पल हमारे लिए बहुत खास है। शुभांशु करीब 1 घंटे घर पर रहे। शुभांशु 4 दिन पहले यानी 25 अगस्त को लखनऊ पहुंचे थे, लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते घर नहीं जा पाए थे। उन्हें राज्य अतिथि (स्टेट गेस्ट) बनाकर नैमिषारण्य गेस्ट हाउस में ठहराया गया है। शुभांशु के घर को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। फूलों से रंगोली बनाई गई। शुभांशु के पड़ोसी आशीष ने कहा, यही वह पल था, जिसका हम लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। वह लखनऊ आए थे, लेकिन घर नहीं पहुंचे थे। आज जब घर आए तो हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वहीं, पड़ोस की राखी ने कहा भैया को देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम लोग उनका काफी दिनों से इंतजार कर रहे थे। जैसे ही आंटी ने खबर दी कि वह घर आ गए हैं, हम लोग तुरंत मिलने पहुंच गए। शुभांशु पत्नी और बेटे के साथ करीब 1 घंटे घर पर रहे। इस दौरान कई करीबी और पड़ोसी उनसे मिलने पहुंचे। उन लोगों ने शुभांशु के साथ सेल्फी ली। लोगों ने उनसे अंतरिक्ष के बारे में पूछा। बचपन की भी बातें कीं। घर से वापस गेस्ट हाउस पहुंचने के बाद शुभांशु काफी देर तक बालकनी में टहलते रहे। इस दौरान किसी से मोबाइल पर बातें भी कीं। गेस्ट में उनके सास-ससुर भी मिलने पहुंचे। शुभांशु शुक्ला ने एयर फोर्स ऑफिसर हरेंद्र सिंह भदोरिया से भी मुलाकात की। हरेंद्र सिंह भदोरिया ने बताया कि हमने कानपुर में अपने प्रोग्राम के लिए शुभांशु को इनवाइट किया है। मैं 40 साल पहले एयरफोर्स से रिटायर हुआ था। हमारा एक संगठन है, जिसमें सभी रिटायर्ड आर्मी और एयरफोर्स से जुड़े हुए जवान शामिल हैं। शुभांशु शुक्ला की शाम 4 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से बेंगलुरु के लिए फ्लाइट है।

आयुष निदेशक करेंगी होम्योपैथी निदेशालय में मृतक आश्रित नियुक्ति की जांच

लखनऊ (संवाददाता)। होम्योपैथी विभाग में मृतक आश्रितों की भर्ती की फिर से जांचहोगी। आयुष मिशन की निदेशक निशा अनंत को जांच की जिम्मेदारी दी गई है। मृतक आश्रितों की भर्ती को लेकर विधायक शहजिल इस्लाम अंसारी ने सितंबर 2023 में सवाल उठाया था। होम्योपैथी निदेशालय के अधिकारियों पर आरोप है कि 2022 में छह मृतक आश्रित की गलत नियुक्तियां की थी। आश्वासन समिति ने होम्योपैथी विभाग से इस संबंध में जवाब मांगा लेकिन संतुष्ट न होने पर इस मामले की जांच सीडीओ लखनऊ से कराने के निर्देश दिए गए थे। तत्कालीन सीडीओ लखनऊ ने इस मामले की जांच की। उन्होंने पाया कि होम्योपैथी निदेशालय में छह मृतक आश्रितों की नियुक्ति में लगाए दस्तावेज संदिग्ध थे। सीडीओ की रिपोर्ट में सामने आया था कि कर्मचारी बिसन लाल की मौत होने के 30 साल बाद उनकी बेटी को मृतक आश्रित कोटे के तहत नौकरी दी गई, जबकि इसके लिए अधिकतम पांच साल का समय के अंदर आवेदन होना चाहिए। पुत्तू लाल की आश्रित का दस्तावेज संदिग्ध पाया गया था। एक अन्य नियुक्त के लिए विभागीय स्तर पर पदों के सृजन में भी गड़बड़ी की गई थी। लेकिन सीडीओ की जांच रिपोर्ट के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। 26 अगस्त को आश्वासन समित की बैठक में फिर से पूरे मामले की जांच आयुष मिशन की निदेशक से कराने के निर्देश दिए गए हैं। आयुष मिशन की निदेशक निशा अनंत का कहना है कि अभी उन्हें इससे संबंधित कोई पत्र नहीं मिला है।

फ्लाइट कैंसिल पर रिफंड से नहीं बच सकती एयरलाइन और ई-कॉमर्स कंपनी : उपभोक्ता आयोग

हिन्द सागर प्रलोका जीएनएस

मोहाली जिला उपभोक्ता आयोग ने एक अहम फैसले में कहा है कि फ्लाइट कैंसिल होने पर एयरलाइन और ई-कॉमर्स कंपनी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकतीं। आयोग ने स्पष्ट किया कि यात्री को रिफंड, हजार्ना और मुकदमा खर्च देना ही होगा। यह मामला मोहाली जिले के गांव

कांसल निवासी नितिन गोयल से जुड़ा है। गोयल ने पिछले वर्ष परिवार सहित गोवा जाने के लिए गो एयर की टिकट ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म क्लियरट्रिप से बुक की थी। यात्रा से ठीक एक दिन पहले एयरलाइन ने बिना कारण बताए फ्लाइट रद्द कर दी और रिफंड भी नहीं दिया।

गोयल ने बताया कि उन्होंने पहले से गोवा में होटल और पर्यटन पैकेज बुक कर रखा था। मजबूरी में उन्हें दूसरी एयरलाइन से टिकट लेनी पड़ी और वापसी में फ्लाइट न मिलने पर होटल में एक दिन अतिरिक्त ठहरना पड़ा, जिससे उनका 16 हजार रुपये और खर्च हुआ।

दोनों कंपनियों ने आयोग के समक्ष एक-दूसरे पर दोष मढ़ने की कोशिश की। इस पर आयोग ने दोनों को लापरवाह मानते हुए गोयल को 76,860 रुपये ब्याज सहित लौटाने, 20 हजार रुपये हर्जाना और 10 हजार रुपये मुकदमा खर्च देने का आदेश दिया। आयोग ने साफ कहा कि उपभोक्ता को हुई असुविधा के लिए एयरलाइन और ई-कॉमर्स कंपनी संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं।

जमीन अधिग्रहण के खिलाफ किसानों का जोरदार प्रदर्शन, महिला बेहोश

हिन्द सागर प्रलोका जीएनएस

नारायणपेट (तेलंगाना): नारायणपेट-कोडंगल क्षेत्र में प्रस्तावित एलिवेटेड जल परियोजना के लिए चल रहे भूमि सर्वेक्षण को लेकर शुक्रवार देर रात तनावपूर्ण स्थिति बन गई। स्थानीय किसानों ने जमीन अधिग्रहण का विरोध करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान एक

महिला अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। ग्रामीणों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

किसानों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सरकार पर गुस्सा जताते हुए कहा कि यह परियोजना उनकी जमीन और आजीविका छीन लेगी। ग्रामीणों का कहना है कि हमारी जमीन ही हमारा जीवन है, इसे छीनना हमें बर्बाद करना है।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया। अधिकारियों का कहना है कि सर्वेक्षण केवल प्रारंभिक प्रक्रिया है और किसानों से बातचीत के बाद ही निर्णय लिया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी परियोजनाओं के लिए पारदर्शी संवाद और उचित मुआवजा नीति बेहद जरूरी है। वहीं, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

केरल में मंत्री की भतीजी और उनके पति का जला हुआ शव बरामद

हिन्द सागर प्रलोका जीएनएस

कन्नूर। केरल के वन मंत्री ए.के. ससीन्द्रन की भतीजी श्रीलेखा ए.के. (67) और उनके पति प्रेमराजन पी.के. (76) का जला हुआ शव चिरक्कल स्थित उनके घर से बरामद हुआ। दोनों दंपति अकेले रहते थे,

उनका बेटा विदेश में कार्यरत है।

घटना गुरुवार शाम सामने आई जब परिवार का चालक घर पहुंचा। दरवाजा अंदर से बंद था। पड़ोसियों और रिश्तेदारों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया तो दोनों के शव मिले।

पुलिस के अनुसार, श्रीलेखा के सिर पर चोट के निशान मिले और मौके से खून से सना हथौड़ा बरामद किया गया। आशंका है कि हत्या के बाद शव जलाए गए हों। हालांकि घर में जबरन घुसने के सबूत नहीं मिले हैं। बलियापट्टम पुलिस ने अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद होगा।

चेन्नई एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा, कांच का पैनल गिरा

हिन्द सागर प्रलोका जीएनएस

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। एयरपोर्ट परिसर में रेस्टोरेंट के पास लगे कांच का पैनल

अचानक टूटकर गिर पड़ा। गनीमत रही कि इस दौरान कोई यात्री हताहत नहीं हुआ।

तेज आवाज के कारण यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही हवाई अड्डे के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और प्रभावित क्षेत्र को बैरिकेड कर दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि सभी सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं।

गौरतलब है कि चेन्नई एयरपोर्ट पर इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार को हुई यह घटना अब तक की 89वीं घटना है।

16 साल की लड़की से गैंगरेप, मुंह दबाकर बाइक से 4 लड़कों ने अगवा किया, पीड़िता जंगल में कूदकर भागी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 4 युवकों ने दलित किशोरी को अगवा कर उसके साथ गैंगरेप किया। पहले 2 युवकों ने बाइक से किशोरी(16 साल) को जंगल में ले गए। वहां दो अन्य युवकों को भी बुलाया। इसके बाद एक-एक कर चारों ने किशोरी के साथ दरिंदगी की। इसके बाद बाइक पर बैठाकर उसे दूसरी जगह ले जाने लगे। तभी रास्ते में किशोरी ने हिम्मत दिखाते हुए बाइक की हैंडल पकड़कर खींच दी। इससे बाइक गिर पड़ी। वहां मौजूद ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़ लिया। उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने पूछताछ में एक अन्य आरोपी को भी पकड़ा। बाकी दो आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना गुरुवार रात बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र की है। बख्शी का तालाब की रहने वाली 16 साल की किशोरी गुरुवार रात करीब 8.30 बजे अपने पुराने घर से नए घर की तरफ जा रही थी। रास्ते में सुनसान जगह पर मौका पाकर 2 युवकों ने उसे जबरन पकड़ लिया। उसका मुंह दबाकर बाइक पर बैठा लिया। इसके बाद जंगल ले गए। वहां दो अन्य युवकों को भी बुलाया। चारों ने किशोरी के साथ गैंगरेप किया। विरोध करने पर उसकी बुरी तरह से पिटाई की। गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। उसके बाद बाइक पर बैठाकर किसी अन्य जगह ले जाने लगे। गांव के पास रास्ते में किशोरी ने शोर मचाना शुरू कर दिया। किशोरी ने हिम्मत दिखाकर बाइक का हैंडल मोड़ दिया। इससे बाइक गिर गई। किशोरी का शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने 1 युवक को पकड़ लिया। किशोरी ने लोगों को आपबीती बताई। इस पर ग्रामीणों ने पुलिस कंट्रोल रूम में शिकायत की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया। उसे थाने ले जाकर पूछताछ की। उसके आधार पर उसके एक साथी को भी पकड़ लिया। दोनों आरोपियों की पहचान शिवा सिंह और राज के रूप में हुई। दो अन्य आरोपियों को किशोरी पहचान नहीं पाई। परिजनों ने मामले की बीकेटी थाने में लिखित शिकायत दी। आरोप है कि पुलिस शुरू में कार्रवाई करने में हीलाहवाली कर रही थी। इस पर लाखन आर्मी के चीफ सूरज पासी ने एक्स पर मामले को लेकर पोस्ट किया। उन्होंने लखनऊ पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस और डीजीपी को टैग करते हुए लिखा- थाना बक्शी का तालाब जनपद लखनऊ क्षेत्र में नाबालिग बच्ची से गैंगरेप हुआ है। उनके इस पोस्ट को वुमन एंड चाइल्ड सिक्योरिटी ऑर्गेनाइजेशन 1090 ने लखनऊ पुलिस को टैग करते हुए मामले में कार्रवाई करने के लिए रीपोस्ट किया। उसके बाद लखनऊ पुलिस ने मामला संज्ञान में होने की जानकारी दी। सूरज पासी ने मामले की एसीपी बीकेटी अमोल मुरकुट को भी जानकारी दी। हालांकि, थाना प्रभारी ने एक्स पर किए गए पोस्ट को लेकर नाराजगी जताई।

योगी सबसे पसंदीदा सीएम ,पीएम का जलवा कायम

लखनऊ (संवाददाता)। देश में वर्तमान में सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री कौन है? इस सवाल का जवाब एक सर्वे ने दिया है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रेस में बाजी मारी है और देश के सबसे पसंदीदा मुख्यमंत्री बनकर उभरे हैं इंडिया टुडे और सी- वोटर के श्मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं। सर्वे में न सिर्फ राज्यों के मुख्यमंत्रियों की लोकप्रियता का पता चला बल्कि केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज को लेकर भी लोगों की राय सामने आई। सर्वे में देशभर के अलग-अलग राज्यों के लोगों ने हिस्सा लिया, जिससे यह तस्वीर और साफ हो गई कि जनता का मूड क्या है।सर्वे में 36 फीसदी लोगों ने योगी आदित्यनाथ को देश का सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री चुना। चौंकाने वाली बात यह है कि इस लिस्ट में दूसरा नाम बीजेपी की कट्टर विरोधी पार्टी की नेता का है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 13 फीसदी लोगों ने सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री बताया। तीसरे नंबर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू हैं, जिन्हें 7 फीसदी लोग सबसे पसंदीदा मानते हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने सबको पीछे छोड़ दिया। उन्हें अपने राज्य में सबसे ज्यादा पसंद किया गया। छोटे राज्यों की बात करें तो सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने 54 फीसदी वोट के साथ पहला स्थान हासिल किया। अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू42 फीसदी वोट के साथ दूसरे और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री 40 फीसदी वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।सर्वे में यह भी सामने आया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भी जनता के फेवरेट बने हुए हैं। 52 फीसदी लोगों ने उन्हें अगले प्रधानमंत्री के लिए सबसे सही विकल्प बताया। 58 फीसदी लोग उनके काम को अच्छा या बहुत अच्छा मानते हैं। लोगों ने बेरोजगारी को मोदी सरकार की सबसे बड़ी नाकामी बताया, जबकि राम मंदिर निर्माण उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि मानी गई।यह सर्वे देश की सियासी तस्वीर को साफ करता है और दिखाता है कि जनता के दिलों में कौन से नेता जगह बना रहे हैं।

सफेद बारादरी में नवरात्री स्पेशल पार्टी वियर परिधानों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ

लखनऊ (संवाददाता)। नवरात्री स्पेशल कलेक्शन के साथ कॉटन एंड सिल्क फैब ने कैसरबाग सफेद बारादरी में नवरात्री स्पेशल पार्टी वियर परिधानों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष, रेडक्रास सोसाइटी के मेंबर एवं गैलेंट्री अवॉर्ड से पुरस्कृत अमरनाथ मिश्रा ने फीता काटकर दस दिवसीय कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदर्शनी आयोजक मानस आचार्य, जावेद मकसूद ने मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। 29 अगस्त से 7 सितंबर तक आयोजित की गई है। मुख्य अतिथि अमरनाथ मिश्रा ने पूरी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यहां लगे विभिन्न स्टालों पर जाकर परिधानों की जानकारी ली। श्री अमरनाथ मिश्रा ने कहा कि त्यौहार के मौके पर इस तरह से एक छत के नीचे महिलाओं के लिए अलग अलग परिधान उपलब्ध कराना आयोजक का सराहनीय कार्य है। उन्होंने स्वदेशी का जिक्र करते हुए कहा कि हम सभी लोगों को स्वदेशी का बढ़ावा देना चाहिए। प्रदर्शनी में 100: शुद्ध प्राकृतिक रेशों (रेशमी, कपास, लिनन) पूरे भारत से सीधे हथकरघा उत्पाद सभी प्रकार के हैं। बनारसी, तस्सर कांथा एवं मुद्रित, गढ़वाल, चंदेरी, महेश्वरी, कोटा, जयपुर बगरू प्रिंट्स, बेंगलुरु शुद्ध क्रेप सिल्क्स, कलमकार, कांचीपुरम, पोचमपल्ली इक्कत,वेंकटगिरी,नारायणपेट,उप्पादा जामधानी, पैठानी, कोलकाता बुटीक, चंपा कोसा साड़ी और कॉटन साड़ी और ड्रेस सामग्री, लाइफ स्टाइल गारमेंट्स हैंडलूम उत्पादों की लगी इतनी सारी प्योर वैरायटी एक ही छत के नीचे प्रदेश के विभिन्न राज्यो के उत्पाद लखनऊ वासियों को किफायती दामों में उपलब्ध होते हैं। इस प्रदर्शनी में विभिन्न राज्यो से आये बुनकरों के उत्पाद अपने आप मे अलग पहचान रखते हैं।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों का सम्मान

लखनऊ (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अवनीश सिंह, सदस्य विधान परिषद, उत्तर प्रदेश एवं अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश क्रीड़ा भारती ने छात्राओं को खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कृ खेलोगे कूदोगे तो बनोगे नबाबो के नबाब। सितारे की तरह चमकने के लिए पूरी मेहनत करनी होगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि महाविद्यालय को कबड्डी मैट प्रदान किया जाएगा, ताकि छात्राएँ इस खेल में और अधिक निखर कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रचना श्रीवास्तव, प्राचार्या, ए.पी. सेन मेमोरियल डिग्री कॉलेज, लखनऊ ने कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ अनुशासन और आत्मविश्वास भी प्रदान करते हैं। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय ने की। उन्होंने कहा कृ नवयुग की बेटियाँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। खेलों के माध्यम से वे आत्मविश्वास, नेतृत्व और अनुशासन की मिसाल बन रही हैं। वार्षिक खेल रिपोर्ट में बताया गया कि वर्ष 2024-25 उपलब्धियों से भरा रहा। छात्राओं ने ऑल इंडिया, नॉर्थ जोन, स्टेट, जिला और विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। महाविद्यालय में योग एवं मार्शल आर्ट को नियमित गतिविधियों में शामिल कर छात्राओं को स्वास्थ्य, अनुशासन और आत्मरक्षा के प्रति सजग बनाया जा रहा है।कार्यक्रम में छवि पांडेय ने मेजर ध्यानचंद पर प्रेरक कविता प्रस्तुत की तथा छात्राओं ने आकर्षक पिरामिड प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु निम्न छात्राओं को सम्मानित किया गया। दिव्या भतृर्वाल, खुशी यादव, साक्षी यादव, शिप्रा गौतम, वर्तिका वर्मा, ज्योति राजपूत, रेशमा कुमारी, माया यादव, सौम्या पांडे, सुरभि तिवारी, प्रज्ञा शुक्ला, स्नेहा जायसवाल, पार्वती शर्मा, खुशबू शर्मा, रजनी, अर्पित शर्मा, लक्ष्मी कुमारी, सृष्टि नायक, राशि सोनगरा, खुशी मल्होत्रा, दीप्ति पटेल, अनामिका यादव, ईशा कुमारी शर्मा, आरती वर्मा, परी मिश्रा, गीतांजलि तिवारी। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षिकाओं एवं छात्राओं के लिए मनोरंजनात्मक खेल प्रतियोगिताएँ जैसे कृ टीई नोट कंपटीशन, लेमन स्पून रेस, सुई-धागा, बल्लू पार्टनर रेस और जलेबी ईटिंग गेम्स आयोजित किए गए जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तेलंगाना में Hybiz TV फूड अवार्ड्स का भव्य आयोजन

हिन्द सागर प्रलोका जीएनएस

हैदराबाद में 26 अगस्त को Hybiz TV फूड अवार्ड्स का चौथा संस्करण बड़े ही भव्य तरीके से आयोजित हुआ। इस समारोह ने न केवल तेलंगाना की समृद्ध पाक परंपरा को सम्मानित किया, बल्कि

स्वाद और नवाचार की नई ऊँचाइयों को भी उजागर किया।

एचआईसीसी नोवोटेल में हुए इस आयोजन में 50 से अधिक खाद्य उद्योग के दिग्गजों को उनके योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। वहीं, लीजेंड अवार्ड्स से ओहरीस के रवि कुमार, विवाह भोजनंबु के वेंकट राम राजू और सिम्पली साउथ के शेफ चलापति राव को सम्मानित किया गया। इन हस्तियों ने तेलंगाना के भोजन को नई पहचान और वैश्विक सराहना दिलाई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने वीडियो संदेश के माध्यम से बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन तेलंगाना की संस्कृति और पर्यटन को दुनिया तक पहुँचाने में सेतु का कार्य करते हैं।

इस अवसर पर पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन पटेल रमेश रेड्डी, मिस यूनिवर्स तेलंगाना काश्वी सहित कई प्रमुख हस्तियाँ मौजूद रहीं। समारोह ने पूरे वातावरण को तेलंगाना की स्वादिष्ट व्यंजनों की महक और सांस्कृतिक गौरव से भर दिया। यह आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि तेलंगाना का भोजन केवल व्यंजन नहीं, बल्कि भावनाएँ, परंपरा और विरासत का वह संगम है, जो हर थाली में संस्कृति की पहचान लिए हुए है।

मेहनत और लगन से तेलंगाना की ईको वॉरियर बनीं IAS हरि चंदना

हिन्द सागर प्रलोका जीएनएस

हैदराबाद। मेहनत, लगन और नई सोच से समाज में बदलाव लाया जा सकता है। इसका उदाहरण हैं 2010 बैच की तेलंगाना कैडर की कब्बर अधिकारी हरि चंदना, जिन्हें उनकी अनूठी पहल और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों के लिए लोग ईको वॉरियर के नाम से जानते हैं।

ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (GHMC) में जोनल कमिश्नर

रहते हुए हरि चंदना ने कई नवाचार किए। उन्होंने प्लास्टिक कचरे से पावर टाइल्स बनाने की शुरूआत की, महिलाओं के लिए She Toilets, देश का पहला पेट पार्क, और टेलीमेडिसिन सेवाएँ शुरू कीं। इसके अलावा महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर हजारों परिवारों की जिंदगी बदली। कोविड-19 महामारी के दौरान नारायणपेट जिले की कलेक्टर के रूप में उन्होंने महिला सहकारी संस्था की स्थापना की, जिसके जरिए बुनकरों और कारीगरों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया। इस पहल से 4000 महिलाओं को मास्क बनाने का काम मिला और एक साल में 50 लाख रुपये की आय हुई। इस कार्य के लिए उन्हें ब्रिटिश काउंसिल का सोशल इम्पैक्ट अवॉर्ड भी मिला।

फिलहाल हरि चंदना को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद कलेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी है। उनका मानना है कि सही अवसर और ईमानदारी से किया गया प्रयास जनता की प्रगति और सुशासन दोनों को संभव बना सकता है। हरि चंदना का सफर नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है–यह संदेश देता है कि नेक इरादे और मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु, शनिवार, 30 अगस्त 2025

बेंगलुरु की समस्याओं पर कांग्रेस सरकार का आक्रामक रुख

हिन्द सागर प्रलोका ,बेंगलुरु संवाददाता।

बेंगलुरु, जिसे सिलिकॉन वैली कहा जाता है, ट्रैफिक जाम, जर्जर सड़कों और हर बारिश में होने वाली बाढ़ जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। इन हालातों के लिए कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पूर्ववर्ती बीजेपी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

उपमुख्यमंत्री व बेंगलुरु विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि पिछली सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण शहर आज इन चुनौतियों का सामना कर रहा है। उनके अनुसार, नालों पर प्रभावशाली लोगों के अवैध कब्जे की जानकारी पूर्व सरकार को थी, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के चलते कोई कार्रवाई नहीं की गई। शिवकुमार ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ब्रांड बेंगलुरु की छवि सुधारने के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, सरकार बिना किसी दबाव के अवैध निमार्णों पर कार्रवाई कर रही है। यह कठिन है, लेकिन शहर के भविष्य के लिए आवश्यक है।

हालांकि, विशेषज्ञों और नागरिकों का मानना है कि केवल आरोप-प्रत्यारोप से समस्या का समाधान संभव नहीं। जनता वर्षों से बदलाव की प्रतीक्षा कर रही है और अब सरकार से ठोस नतीजों की उम्मीद कर रही है।

मगदी में 40 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक अस्पताल : शिवकुमार

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।

मगदी। ग्रामीण और शहरी विकास मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को मगदी कस्बे में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ परिवहन मंत्री एवं बेंगलुरु दक्षिण जिले के प्रभारी मंत्री रामलिंगा रेड्डी, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव तथा मगदी विधायक एच.सी. बालकृष्ण मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम ने इस अवसर पर कहा कि सरकार मगदी क्षेत्र के समग्र विकास

और नादप्रभु केम्पेगौड़ा के नाम को सदैव अक्षुण्ण रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में 40 करोड़ रुपये की लागत से दो एकड़ भूमि पर 100 बिस्तरों की क्षमता वाला अत्याधुनिक एवं सुसज्जित अस्पताल जल्द ही तैयार किया जाएगा।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस अस्पताल के बन जाने से मगदी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने किया अक्का कैफे का शुभारंभ

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।

उल्लाल (मंगलुरु)। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने शुक्रवार को उल्लाल तालुक के मुन्नूर गांव स्थित कुट्टारू जंक्शन पर नए अक्का कैफे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि छोटे-छोटे व्यवसाय भी आत्मनिर्भरता और सामाजिक-आर्थिक विकास का आधार बन सकते हैं।

खादर ने कहा कि बदलते समय में शिक्षा के साथ-साथ युवाओं के सामने रोजगार की चुनौती भी बढ़ी है। ऐसे में स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाना ही सबसे सही विकल्प है। उन्होंने कहा कि अक्का कैफे जैसी पहल न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है बल्कि समाज में सकारात्मक वातावरण भी निर्मित करती है। विधानसभा अध्यक्ष ने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उद्यमशीलता की ओर अग्रसर हों और समाज के विकास में अपनी भागीदारी निभाएँ।

उद्घाटन समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्यापारी वर्ग, समाजसेवी, महिला मंडल एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने कैफे की शुरूआत का स्वागत करते हुए इसे स्थानीय स्तर पर रोजगार और सुविधा उपलब्ध कराने वाला कदम बताया। लोगों का कहना था कि इस कैफे से आसपास के क्षेत्र के युवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजकों ने बताया कि अक्का कैफे में स्वच्छ और किफायती दरों पर भोजन व पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाएँगे। साथ ही स्थानीय स्तर पर महिला स्वयं सहायता समूहों और युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाएगा। ग्रामीणों ने विधानसभा अध्यक्ष खादर का आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी क्षेत्र के विकास के लिए ऐसी सकारात्मक पहलें जारी रहेंगी।

एलिवेट ब्रांड मैंगलोर पहल का शुभारंभ

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।

मैंगलोर। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने शुक्रवार को केनरा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) की एक महत्वपूर्ण पहल एलिवेट ब्रांड मैंगलोर का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य मैंगलोर को एक वैश्विक पहचान दिलाना और उद्योग, वाणिज्य, संस्कृति, भोजन तथा पर्यटन के क्षेत्र में इसकी अपार संभावनाओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है।

शुभारंभ समारोह में बोलते हुए विधानसभा अध्यक्ष खादर ने कहा कि मैंगलोर केवल कर्नाटक का ही नहीं बल्कि पूरे देश का गौरव है। उन्होंने कहा कि इस शहर में शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और उद्योग के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य की अनूठी धरोहर मौजूद है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केसीसीआई की यह पहल मैंगलोर को ग्लोबल ब्रांड डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी।

केसीसीआई के पदाधिकारियों ने बताया कि एलिवेट ब्रांड मैंगलोर के माध्यम से शहर की बहुआयामी खूबियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शित किया जाएगा। इसके तहत उद्योग और व्यापार क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति, परंपरा, खानपान और पर्यटन स्थलों को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

कार्यक्रम में उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों और व्यापारिक समुदाय के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की पहल से न केवल मैंगलोर की आर्थिक प्रगति होगी बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

कार्यक्रम के अंत में विधानसभा अध्यक्ष खादर और केसीसीआई पदाधिकारियों ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं, ताकि मैंगलोर आने वाले वर्षों में भारत के सबसे आकर्षक और प्रगतिशील शहरों में अपनी अलग पहचान बना सके।

राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के नकद पुरस्कारों में की बढ़ोतरी

हिन्द सागर प्रलोका संवाददाता।

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार युवाओं को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर एक समावेशी और मजबूत राज्य के निर्माण की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में, सरकार ने खेल क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए खिलाड़ियों के नकद पुरस्कारों में वृद्धि की है।

अब तक राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक विजेताओं को 5 लाख, रजत पदक विजेताओं को 3 लाख और कांस्य पदक विजेताओं को ?2 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता था। लेकिन खिलाड़ियों को और प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने इसमें बढ़ोतरी करते हुए स्वर्ण पदक विजेताओं को 7 लाख, रजत पदक विजेताओं को 5 लाख तथा कांस्य पदक विजेताओं को 3 लाख प्रदान करने का निर्णय लिया है।

इसके अलावा, बजट में खेल क्षेत्र के लिए विशेष अनुदान और सहायता का भी प्रावधान किया गया है। सरकार का मानना है कि खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर और प्रोत्साहन देकर न केवल युवाओं का उत्साह बढ़ेगा बल्कि कर्नाटक खेलों में अग्रणी राज्यों की पंक्ति में और मजबूत स्थिति हासिल करेगा।

राज्य सरकार का यह कदम खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के बीच उत्साह का विषय बना है और इसे युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

27 जोड़ों ने लिए सात फेरे पर लौटे खाली हाथ, विभाग का जवाब- फर्म का नहीं हुआ चयन

कानपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर शादी की तय तारीख से एक सप्ताह पहले गरीब कन्याओं को योजना का लाभ दिलाने के लिए समाज कल्याण समिति सेवा के सचिव धनीराम पैंथर ने 27 कन्याओं के ऑनलाइन आवेदन भी करा दिए थे। इसके बावजूद समाज कल्याण विभाग ने आवेदन पत्रों का सत्यापन तक नहीं कराया। सनिगवां के अभिषेक गौतम की शादी नौबस्ता की रहने वाली स्वाती चौहान के साथ हुई थी। जोड़े ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन भी किया था लेकिन समाज कल्याण विभाग की तरफ से सत्यापन नहीं कराया गया। दंपती को उपहार नहीं मिल सके। केस-दो दबौली के सुरेश कुमार कश्यप की शादी तत्याटोपे नगर की रहने वाली शिखाकुमारी कश्यम के साथ सामूहिक विवाह

के तहत शादी हुई। आवेदन एक सप्ताह पहले किया लेकिन विभाग ने सत्यापन तक नहीं कराया। ऐसे में जोड़ा बिना अनुदान-उपहार लिए शादी के बाद लौट गया। कानपुर शहर की 27 आर्थिक रूप से कमजोर बेटियों को समाज कल्याण विभाग की लापरवाही के कारण मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ नहीं मिल सका है। शादी के दिन मंडप के नीचे सात फेरा लेकर बेटियां बिना उपहार लिए ससुराल चली गईं। मामले की शिकायत होने पर डीएम ने सीडीओ से जांच कर रिपोर्ट मांगी है। समाज कल्याण विभाग की तरफ से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत एक लाख रुपये का लाभ पात्र जोड़ों को दिया जाता है। 60 हजार रुपये का चेक, 25 हजार रुपये की उपहार सामग्री और 15 हजार रुपये खाने के लिए खर्च किए जाते हैं। 11 मई को मोतीझील लॉन में समाजकल्याण समिति सेवा की तरफ से सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ था। इसमें कुल 98 कन्याओं की शादी हुई थी। इसमें 27 कन्याएं वे थीं जिन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में आवेदन किया था। आवेदन पत्रों का सत्यापन तक नहीं कराया जिलाधिकारी के निर्देश पर शादी की तय तारीख से एक सप्ताह पहले गरीब कन्याओं को योजना का लाभ दिलाने के लिए समाज कल्याण समिति सेवा के सचिव धनीराम पैंथर ने 27 कन्याओं के ऑनलाइन आवेदन भी करा दिए थे। इसके बावजूद समाज कल्याण विभाग ने आवेदन पत्रों का सत्यापन तक नहीं कराया। इस कारण योजना के तहत शामिल जोड़े शादी के मंडप के नीचे सात फेरे लेकर बिना उपहार-अनुदान लिए अपने घर चले गए। डीएम ने जांच कर मांगी है रिपोर्ट धनीराम ने गरीब बेटियों को अनुदान दिलाने के लिए समाज कल्याण विभाग के कई चक्कर काटे लेकिन विभाग के अफसर से लेकर पटल बाबू टरकाते रहे। अंत में धनीराम पैंथर ने जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के जनता दर्शन में गरीब बेटियों को अनुदान दिलाने की गुहार लगाई। मामले को संज्ञान में लेकर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने सीडीओ दीक्षा जैन से जांच कर रिपोर्ट मांगी है। फर्म का नहीं हुआ चयन, इसलिए नहीं मिल सकता लाभ धनीराम ने योजना का लाभ न मिलने पर जुलाई में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत की थी। विभाग ने जवाब में कहा था कि योजना 2025-26 में आवेदन करने एवं भुगतान की प्रक्रिया बदल दी गई। इस कारण उपहार सामग्री खरीदने के लिए फर्म का चयन नहीं हो सका। इसलिए योजना का लाभ नहीं दिया जा सकता है। यह भी कहा कि समिति यदि चाहे तो ये आवेदन शादी अनुदान योजना के तहत करे तो जांच के बाद पात्रों को लाभ दिया जा सकता है। समिति के सचिव ने कई आवेदन ऑनलाइन कराए थे लेकिन समाज कल्याण विभाग ने सत्यापन ही नहीं कराया है। यह विभाग की लापरवाही है। इसकी जांच के लिए विभाग से जिओ मांगा गया है। दोषियों पर कार्रवाई होगी।

वैश्विक चुनौतियों के बीच शिवराज सिंह चौहान की अपील

राष्ट्रहित में एकजुट होने का आह्वान, स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर दिया जोर

हिन्द सागर प्रलोका जीएनएस

मैसूर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सत्तुर मठ, मैसूर के प्रमुख संत शिवरात्रि महास्वामी जी का सम्मान करते हुए कहा कि

राजनीति विभाजित कर सकती है, लेकिन धर्म सबको जोड़ता है। उन्होंने संत का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों को एक मंच पर लाकर मानवता की सेवा का मार्ग प्रशस्त किया।

चौहान ने कहा कि विचारधारा में मतभेद संभव हैं, किंतु राष्ट्रहित में पूरा देश एकजुट रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कुछ देशों के अधिनायकवादी रुख ने विश्व के सामने संकट खड़ा कर दिया है। ऐसे समय में भारत ही दुनिया को शांति और दिशा प्रदान कर सकता है।

उन्होंने देशवासियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वदेशी अपनाओ अपील का अनुसरण करने का आह्वान किया। चौहान ने कहा, आज आवश्यकता है कि हम अपने दैनिक जीवन में उन्हीं वस्तुओं का उपयोग करें जो भारत में निर्मित हों। इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और हम एक नया इतिहास रच पाएंगे।\

मंत्री प्राद जोशी का कर्नाटक सरकार पर हमला

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरू संवाददाता।

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री प्राद जोशी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि धर्मस्थल मामले में वह स्टूलकिटस से प्रभावित होकर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने मांग की कि इस संवेदनशील मामले की जांच अदालत की निगरानी में होनी चाहिए। जोशी ने आरोप लगाया कि पिछले दो दशकों से धर्मस्थल क्षेत्र में हत्या, दुष्कर्म और शव दफनाने जैसी घटनाओं को लेकर की गई शिकायतों की जांच बिना ठोस आधार के एसआईटी को सौंप दी गई। उन्होंने कहा, हिंदू तीर्थस्थलों की आस्था को कमजोर करने के लिए कांग्रेस सरकार सुनियोजित तरीके से काम कर रही है। कांग्रेस हमेशा हिंदू विरोधी रही है।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता सी.एन. चिन्नैया, जिसने कई शवों के दफनाने का दावा किया था, को झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वहीं, एसआईटी ने नदी किनारे कई स्थानों पर खुदाई की, जिसमें दो जगह कंकाल बरामद हुए हैं।

भाजपा ने मंदिर को बदनाम करने की कोशिश का विरोध किया था। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी झूठी शिकायत पर कार्रवाई की चेतावनी दी थी, जबकि धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने एसआईटी जांच का स्वागत किया है। जोशी ने उपमुख्यमंत्री के उस बयान को भी गैर-जिम्मेदाराना बताया जिसमें उन्होंने कहा था कि चामुंडी हिल केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान महज तुष्टिकरण की राजनीति है।

सिद्धारमैया ने 1991 चुनाव में धांधली का लगाया था आरोप, भाजपा ने कसा तंज

हिन्द सागर प्रलोका बेंगलुरु संवाददाता।

बेंगलुरु/पटना। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कहा कि 1991 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार से हारने के बाद उन्होंने चुनावी गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। एक सम्मान समारोह में उन्होंने याद किया, मैंने 1991 में संसदीय चुनाव लड़ा और कांग्रेस के बसवराज पाटिल अनवारी से

11,197 वोटों से हार गया। मैंने चुनाव परिणाम को गलत मानते हुए एडवोकेट रवि वर्मा के माध्यम से केस दायर किया, जिन्होंने निःशुल्क पैरवी की थी। उस समय सिद्धारमैया जनता दल (सेक्युलर) के उम्मीदवार थे और उन्होंने जनादेश को अदालत में चुनौती दी थी।

भाजपा का पलटवार मुख्यमंत्री के इस बयान पर भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, विडंबना देखिए, सिद्धारमैया वोट अधिकार यात्रा के लिए बिहार में कांग्रेस के साथ हैं, जबकि 1991 में उन्होंने कांग्रेस पर ही चुनावी धांधली का आरोप लगाया था। तब वे वोट चोरी की बात करते थे, आज राहुल गांधी वही राग अलाप रहे हैं।

मालवीय ने कांग्रेस पर वंशवाद की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की नहीं, एक पारिवारिक व्यवसाय की कहानी है, जिसने अपनी प्रासंगिकता खो दी है।राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा इस बीच राहुल गांधी बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं। यह यात्रा 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई थी और 1 सितंबर को पटना में पदयात्रा के साथ समाप्त होगी। लगभग 1,300 किलोमीटर की इस पदयात्रा का उद्देश्य मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी के खिलाफ जनजागरूकता फैलाना है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा और चुनाव आयोग विपक्षी समर्थकों के नाम हटाकर फर्जी मतदाताओं को जोड़ रहे हैं। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन आरोपों को भ्रामक और निराधारह्व करार दिया है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु, शनिवार, 30 अगस्त 2025

सम्पादकीय

राहुल को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ चुकी है। देश में राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृ तिक, धार्मिक, शैक्षणिक कई प्रयोजनों से यात्राएं समय-समय पर निकल चुकी हैं। लेकिन तीन साल पहले राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने राजनैतिक यात्रा के नए आयाम खोले, इसे लोगों का जितना प्यार और समर्थन मिला, उसे देखकर राहुल गांधी ने फिर भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली और अब वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा दोनों को लेकर भाजपा का रवैया काफी लापरवाह था, क्योंकि उसे यकीन था कि राहुल गांधी जो दावा कर रहे हैं, उसे वो पूरा नहीं कर पाएंगे और यात्रा बीच में ही असफल होकर रुक जाएगी। राहुल गांधी ने पूरी यात्रा बेहद शांति के साथ पूरी कर ली। उनकी राह में कानूनी अड़चनें डाली गईं, महिलाओं, बच्चों, पशुओं के नाम पर गंभीर आरोप लगाए गए। उनका बहुत तरह से मजाक बनाया गया। लेकिन एक भी दांव काम नहीं आया। हजारों लोगों की भीड़ होने के बावजूद दोनों यात्राएं लगभग निर्विघ्न संपन्न हुईं। अब वोटर अधिकार यात्रा पर लोगों की नजर है। पहली दोनों यात्राएं तो दक्षिण से उत्तर, पूरब से पश्चिम हुईं, लेकिन मौजूदा यात्रा का दायरा केवल बिहार के कुछ हिस्सों में सीमित है। लिहाजा पहले के मुकाबले यह और आसानी से संपन्न हो सकती है। बस इसे लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। क्योंकि विघ्नसंतोषी कहीं भी व्यवधान डाल सकते हैं। जैसे यात्रा जब दरभंगा पहुंची तो यहां के अतरबेल में रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनकी स्वर्गीय मां के लिए अपशब्द कहे गए। भरी भीड़ में यह जाहिर नहीं है कि अपशब्दों का इस्तेमाल किसने किया और उसे पकड़ा गया या नहीं। लेकिन इस एक घटना पर भाजपा को राहुल गांधी पर उंगली उठाने का मौका मिल गया है। बता दें कि यह कार्यक्रम यूथ कांग्रेस से जुड़े मोहम्मद नौशाद ने करवाया था। इस विवाद के बाद नौशाद ने माफी मांग ली है। उनका कहना है कि किसी बाहरी व्यक्ति ने मंच से प्रधानमंत्री के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। वहीं भाजपा ने एक पोस्ट में कहा है कि राहुल के मंच से मोदी को गाली दी गई। इस तरह की भाषा बर्दाश्त के काबिल नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी को गाली के लिए राहुल को माफी मांगनी चाहिए। भाजपा ने कहा कि देश श्री मोदी के लिए इस तरह की भाषा बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा की नाराजगी से समझा जा सकता है कि राहुल गांधी को घेरने या उन्हें नीचा दिखाने का एक भी मौका वह नहीं छोड़ेगी। अब सोचने वाली बात ये है कि अगर किसी बाहरी व्यक्ति ने महागठबंधन के मंच से ऐसी धृष्टता करने का दुस्साहस किया है, तो रैली में तैनात सुरक्षाकर्मी क्या कर रहे थे। उस व्यक्ति को मंच तक आने कैसे दिया गया और फौरन पकड़ा क्यों नहीं गया। इससे पहले राहुल गांधी ने जब डोनाल्ड ट्रंप के फोन कॉल और युद्धविराम का जिक्र किया तो उन्होंने ट्रंप-मोदी संवाद के लिए तू संबोधन का प्रयोग किया। हालांकि मूलतरू अंग्रेजी में हुई बात का अनुवाद आप भी हो सकता था, लेकिन हिंदी में थोड़ा असहज रहने वाले राहुल गांधी ने तू का इस्तेमाल किया। शायद उनके सलाहकारों ने बताया हो कि इस तरह की भाषा से जनता प्रभावित होती है, उसे नेता की ताकत या काफी हद तक दबंगई का अहसास होता है। लेकिन राहुल गांधी की राजनीति तो कभी दबंगई की हिमायत करने वाली नहीं रही है, जब वे अंग्रेजी में बोलते हैं, तो लहजा चाहे तल्ख हो, शब्द संयमित ही रहते हैं। फिर हिंदी में यही रवैया वे क्यों नहीं अपना रहे, यह समझ से परे है।

भारत-जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच दोस्ती के नए दौर का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदीरी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे। आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही टैरिफ वार है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक रणनीतिक अवसर है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके। निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना संतुलनकारी शक्ति की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने इंडो-पैसिफिक रणनीति को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है। जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी

विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन्-1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरूआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया। मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में नई शक्ति धुरी का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो मेक इन इंडिया को नई ऊर्जा मिलेगी। हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर एशिया-प्रशांत को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक पैसिव खिलाड़ी से ग्लोबल लीडर की भूमिका में लाने का अवसर है। भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रूवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन की टकराहट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र को विश्व राजनीति का केंद्र बना दिया है। चीन की आक्रामक नीतियां, उसके विस्तारवादी रुख और आर्थिक दबदबे की कोशिशों ने भारत और जापान को स्वाभाविक रूप से निकट लाया है। भारत-जापान की साझेदारी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर क्वाड को मजबूत करती है। यह केवल सुरक्षा गठबंधन नहीं बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र नौवहन, आतंकवाद से मुकाबला, और आपसी व्यापार-विकास का साझा दृष्टिकोण है। इससे चीन की एकध्रूवीय शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगता है। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और टैरिफ बाधाओं ने भारत-जापान को विकल्प खोजने पर मजबूर किया है। दोनों देश मिलकर चीन-प्लस-वन रणनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, यानी चीन पर निर्भरता कम करके एशिया और अफ्रीका के नए बाजारों में निवेश और उत्पादन केंद्र बना सकते हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संतुलित होगी। जापान भारत में बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहा है। भारत की युवा कार्यशक्ति और जापान की तकनीकी दक्षता मिलकर नवाचार और टिकाऊ विकास का मॉडल पेश कर सकती है। यह मॉडल पश्चिमी पूंजीवाद और चीनी साम्यवादी अर्थशास्त्र से भिन्न होगा। दोनों देशों के बीच संबंध केवल रणनीति या व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि साझा मानवीय मूल्यों से नैतिक गहराई प्रदान करने का आधार भी है। यह मित्रता सॉफ्ट पावर के रूप में भी वैश्विक शांति को आधार देगी। यह न तो किसी आक्रामक गठबंधन का रूप है और न ही केवल आर्थिक लाभ का गणित। बल्कि यह लोकतंत्र, शांति, प्रौद्योगिकी और मानवता पर आधारित एक नए वैश्विक युग की नींव है। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि मोदी की दो दिवसीय यह यात्रा न सिर्फ भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई देने का मौका होगी बल्कि एशियाई कूटनीति में भारत की भूमिका को और मजबूत करेगी। भारत-जापान का नया दौर विश्व को दो संदेश देता है कि शक्ति का संतुलन केवल सैन्य बल से नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और नैतिक मूल्यों से बनेगा।

संघ समाज के साथ है मगर राजनीति से दूर है, मोहन भागवत के तीन दिवसीय संबोधन ने दिये कई संदेश

भागवत का संदेश साफ है- राजनीति से दूरी रखते हुए वैचारिक मार्गदर्शन, समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता, तकनीक और शिक्षा के नए युग में भारतीय दृष्टि का समावेश और विश्व स्तर पर आत्मनिर्भर लेकिन सहयोगी भारत की परिकल्पना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना को एक शताब्दी पूरी होने जा रही है। यह अवसर केवल आत्ममंथन का नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का भी है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लगातार तीन दिनों तक इसी संदर्भ में अपने विचार रखे। उनके वक्तव्य में अतीत का आत्मविश्वास भी था और भविष्य की चिंता भी। तीन दिवसीय कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने न केवल संगठन के अतीत और उपलब्धियों की समीक्षा की, बल्कि भविष्य की रूपरेखा और समसामयिक प्रश्नों के उत्तर भी दिए। भागवत का वक्तव्य इस बात पर केंद्रित था कि संघ मात्र एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन नहीं है, बल्कि भारतीय समाज के विकास, संतुलन और दिशा निर्धारण का सहभागी भी है। इसके अलावा, अक्सर यह प्रश्न उठता है कि बीजेपी की राजनीति और आरएसएस का मार्गदर्शन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। लेकिन भागवत ने स्पष्ट किया कि हम विशेषज्ञ अपनी शाखा में हैं, वे सरकार चलाने में विशेषज्ञ हैं। हम सुझाव दे सकते हैं, निर्णय उनका है। देखा जाये तो यह कथन राजनीतिक हस्तक्षेप की आशंकाओं को खारिज करता है और संघ की भूमिका को वैचारिक मार्गदर्शक तक सीमित बताता है। अगर हम तय करते, तो बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव में इतनी देर क्यों होती? –यह टिप्पणी संघ और सत्ता के बीच के संबंधों पर एक रोचक संदेश देती है। इसके अलावा, संघ प्रमुख ने दो टूक कहा कि जब तक समाज के वंचित वर्ग स्वयं महसूस न करें कि उन्हें विशेष अवसर की आवश्यकता नहीं है, तब तक संघ आरक्षण का समर्थन करता रहेगा। उन्होंने जाति-आधारित विभाजन को अप्रासंगिक बताते हुए कहा कि ऊपर वाले हाथ बढ़ाएं और नीचे वाले आगे बढ़ने की कोशिश करें। यह दृष्टिकोण भारतीय समाज के भीतर असमानताओं को पाटने के संघीय दृष्टिकोण को सामने रखता है। साथ ही, भागवत का हर परिवार को तीन बच्चे वाला बयान जनसंख्या नियंत्रण की बहस में नया मोड़ लाता है। उनका कहना था कि 2.1 की औसत जन्मदर को व्यवहारिक रूप में तीन बच्चों के रूप में देखा जाना चाहिए। हालांकि साथ ही उन्होंने संसाधनों के संतुलन और प्रबंधन की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके अलावा, धर्म को व्यक्तिगत विकल्प बताते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू और मुस्लिम को एक करने की बात ही क्यों, वे पहले से एक हैं– भारतीय हैं। भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस्लाम भारत में रहेगा और कोई हिंदू ऐसा सोच ही नहीं सकता कि इसे समाप्त होना चाहिए। लेकिन उन्होंने आक्रांताओं के नाम पर जगहों और सड़कों के नामकरण पर आपत्ति जताई और प्रेरणादायी व्यक्तित्वों– जैसे डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर नामकरण का सुझाव दिया। साथ ही अवैध प्रवास और जबरन धर्मांतरण को उन्होंने जनसांख्यिकीय असंतुलन की जड़ बताया। उनका तर्क था कि नागरिकों– हिंदू या मुस्लिम को रोजगार और अवसर मिलने चाहिए, लेकिन अवैध प्रवासियों को नहीं। इस दृष्टिकोण में राष्ट्रहित और मानवता दोनों का संतुलन झलकता है। इसके अलावा, भागवत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) और आधुनिक तकनीक के अवसरों और खतरों पर चर्चा करते हुए कहा कि तकनीक का मालिक इंसान होना चाहिए, न कि तकनीक इंसान की नियति तय करे। शिक्षा केवल सूचनाओं का ढेर नहीं बल्कि मनुष्य निर्माण का साधन होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति में इन बातों के समावेश की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया। अमेरिकी दबाव की पृष्ठभूमि में उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार जरूरी है, लेकिन मित्रता दबाव में नहीं पनप सकती। आत्मनिर्भरता और पारस्परिक निर्भरता दोनों का संतुलन बनाना भारत की विदेश नीति का आधार होना चाहिए। देखा जाये तो मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की 100 वर्षों की यात्रा से आगे के 100 वर्षों की झलक प्रस्तुत करता है। यह यात्रा केवल संगठन की नहीं, बल्कि भारतीय समाज की भी है– जहाँ परंपरा और आधुनिकता, आध्यात्म और विज्ञान, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय हित– सबको जोड़ने का प्रयास है। भागवत का संदेश साफ है- राजनीति से दूरी रखते हुए वैचारिक मार्गदर्शन, समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता, तकनीक और शिक्षा के नए युग में भारतीय दृष्टि का समावेश और विश्व स्तर पर आत्मनिर्भर लेकिन सहयोगी भारत की परिकल्पना। बहरहाल, संघ की शताब्दी केवल एक संगठन की यात्रा नहीं है, बल्कि भारतीय समाज के विकास और बदलाव की गवाही भी है। मोहन भागवत का संदेश यही था कि आने वाले समय में संघ राजनीति से परे, समाज और राष्ट्र निर्माण की भूमिका निभाता रहेगा। प्रश्न यह है कि क्या संघ आने वाली पीढ़ियों को उस समन्वय और आधुनिक दृष्टि से जोड़ पाएगा, जिसकी झलक भागवत ने दिखाई है? यदि हाँ, तो संघ की दूसरी शताब्दी न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में उसकी प्रासंगिकता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप का आर्थिक युद्ध : भारत, रूस,चीन और ब्राजील एक प्लेटफॉर्म पर

संजीव ठाकुर

यह बड़ी प्रसिद्ध कहावत है कि दुश्मन का दुश्मन अपना दोस्त और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति पद की ताजपोषी के साथ-साथ डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपनी विदेश नीति के तहत अंधाधुंध आयात टैरिफ लगाकर भारत रूस और चीन को नाराज कर लिया है। भारत पर आज से 50ः टैरिफ लागू कर दिया गया है अब भारत अमेरिका के विकल्प के रूप में नया बाजार तलाश करने और रूस तथा चीन से गहरे गढ़ जोड़ बनाने में लगा हुआ है। (स्वतंत्रता के बाद से अविश्वसनीय चीन पर भारत ने अब भरोसा जताना शुरू किया है चीन के विदेश मंत्री के भारत में व्यापारिक के लिए यात्रा पर उनका स्वागत किया गया । भारत के प्रधानमंत्री बहुत जल्द चीन की यात्रा पर जाने वाले वाले हैं और चीन के राष्ट्रपति शी जिन पिंग खुद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने की योजना बना रहे हैं। ब्राजील पर भी अमेरिका ने 40 से 50ः आयात शुल्क आरोपित कर दिया है ब्राजील ने अमेरिका से बात करने की बजाय भारत के राष्ट्रपति नरेंद्र मोदी से बात करना उचित समझा। ब्राजील भी अमेरिका से व्यापारिक मुद्दों पर काफी खफा नजर आ रहा है। इस तरह भारत रूस चीन और ब्राजील एक प्लेटफार्म पर खड़े नजर आ रहे हैं। निश्चित तौर पर एशिया और दक्षिण एशिया डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका की नीतियों के विरोध में आ चुका है।) भारत एक विकासशील

अर्थव्यवस्था है अमेरिका से व्यापारिक संबंध खराब होने पर भारत को 25ः तक नुकसान होने की संभावना है पर भारत के लिए यह एक बड़ा सबक प्रमाणित होगा कि किसी एक पश्चिमी देश पर निर्भर रहना भारत की विदेश नीति के लिए उपयुक्त नहीं होगा। फल स्वरुप उसे ओपन मार्केट पॉलिसी अपना कर सभी देशों से अपना व्यापार और व्यवसाय करने की योजना निर्मित करनी होगी तब जाकर ही भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख सकता है। दूसरी बार डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बनने के बाद रूस यूक्रेन युद्ध के युद्ध को विराम तो नहीं दे पाए किंतु युद्ध की आग को और भड़का दिया है। उधर परमाणु संपन्न देश चीन नॉर्थ कोरिया और रूस की त्रिगुटीय जुगलबंदी ने अमेरिका सहित नाटो यूरोपीय देश और यूक्रेन की नींद उड़ा दी है। उल्लेखनीय की नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया के आपस के कड़वे रिश्ते के बीच अमेरिका का साउथ कोरिया को लेकर काफी हस्तक्षेप है जिसे नॉर्थ कोरिया कई दशक से पसंद नहीं करता आया है ।संयुक्त राष्ट्र संघ और एमनेस्टी इंटरनेशनल की भूमिका निरर्थक हो चुकी है वैसे भी संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिका तथा यूरोपीय देशों की कठपुतली बन चुका है। क्या मानवीय संवेदनाओं की आशाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। वैश्विक शांति और अमन की कल्पनाओं से परे वैश्विक युद्ध की आशंका में उत्तर कोरिया ने भी अपना मोर्चा खोल दिया है ताजा ताजा घटनाक्रम में रूस के विदेश मंत्री लावरोव उत्तर कोरिया के दौरे पर जाकर वहां के समकक्ष चोई सांन संग से उत्तर कोरिया के शहर पूर्वी वोंनसान मैं अत्यंत महत्वपूर्ण मीटिंग की है।रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने उत्तरी कोरिया के तानाशाह नेता किम जोंग उन से भी मुलाकात कर रुस को यूक्रेन और अमेरिका के खिलाफ समर्थन देने की बात रखी जवाब में उत्तरी कोरिया के तानाशाह नेता किम जोंग उन ने रूस को अमेरिका यूरोप और यूक्रेन के खिलाफ निशर्त खुला समर्थन देने की घोषणा कर दी है। गौरतलब है कि उत्तरी कोरिया पिछले कई महीनो से मिसाइल का परीक्षण कर साउथ कोरिया अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को सीधा-सीधा संदेश दिया है कि साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के संबंधों के बीच किसी देश के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उत्तर कोरिया की आधिकारिक न्यूज एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच अब तनाव बढ़ने लगा हैस उधर उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम के जवाब में अमेरिका दक्षिण कोरिया व जापान त्रिपक्षीय त्रिपक्षी संधियां और सैनिक अभ्यास का विस्तार तथा फिर से बहाली कर रहे हैं।

कोचिंग की मजबूरी

हाल के दिनों में कोचिंग का तेजी से बढ़ता प्रचलन अभिभावकों के बजट को बिगाड़ रहा है। छात्रों का कोचिंग जाना धीरे-धीरे अपरिहार्य माना जाने लगा है। जिसके चलते माता-पिता को अपने अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। हाल ही में भारत सरकार के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि देश भर के लगभग हर चार में से एक स्कूली छात्र ने इस वर्ष निजी कोचिंग ली। कुल मिलाकर देश के 27 फीसदी विद्यार्थी निजी कोचिंग लेते हैं। यह प्रतिशत शहरों में ज्यादा है, जो सर्वे में करीब 31 फीसदी पाया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की तुलना में कम- 25 फीसदी पाया गया है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह कोई वैकल्पिक सुविधा नहीं है बल्कि शिक्षा प्रणाली की विसंगतियों से अपने बच्चों को उबारकर उनके बेहतर भविष्य की आस का जरिया है। उस स्थिति से उबरने की कोशिश है जो छात्रों को परीक्षा से पूर्व तनाव व परेशानी में धकेल देती है। केंद्र सरकार के व्यापक वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण यानी सीएमएस में खुलासा हुआ है कि शहरी परिवार कोचिंग पर साल में औसतन चार हजार रुपये खर्च करते हैं। वहीं उच्चतर माध्यमिक छात्रों के लिये राशि बढ़कर दस हजार रुपये हो जाती है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च कम हो जाता है। लेकिन फिर भी परिवार की आय पर दबाव जरूर बनाता है। कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (शिक्षा) के ये आंकड़े एक सच्चाई को उजागर करते हैं कि स्कूली पढ़ाई छात्रों की सभी जिज्ञासाओं को शांत नहीं कर पाती। यानी स्कूल छात्रों की परीक्षाओं के लिये अपेक्षित आत्मविश्वास प्रदान करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर बात है कि यदि स्कूलों में पढ़ाई छात्राओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हो और उनकी जिज्ञासा कक्षा की पढ़ाई के दौरान शांत हो जाए, तो वे कोचिंग की आवश्यकता महसूस नहीं करेंगे। सर्वे बताता है कि आज देश में 56 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या दो दिहाई है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में कोचिंग का बढ़ता प्रचलन आकांक्षाओं से ज्यादा व्यवस्थागत कमजोरी का संकेत है। वहीं पंजाब और हरियाण में,यह प्रचलन ज्यादा है जहां बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं का अधिक दबाव हावी रहता है। जिसके चलते कुकरमुत्तों की तरह कोचिंग सेंटर उग रहे हैं। नतीजा साफ है कि कक्षाओं में ठीक से पढ़ाई न होने के कारण छात्रों का ध्यान व पैसा स्कूल के समानांतर चलाए जा रहे कोचिंग सेंटरों को जा रहा है। कोचिंग सेंटर, जिनका मकसद सिर्फ मुनाफा जुटाना ही है, वे समाज में एक कृत्रिम स्पर्धा ट्यूशन पढ़ने व न पढ़ने वाले छात्रों के बीच पैदा कर रहे हैं। पारिवरिक परिस्थितियों के चलते ट्यूशन न पढ़ने वाले छात्र असुरक्षा व हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। दरअसल, इस समस्या का समाधान कोचिंग को बाजार हिस्सा मानकर नहीं किया जा सकता है। प्रतिबंध या सीमाएं निर्धारण से भी समस्या का समाधान करने के बजाय हम इस मुद्दे को और जटिल बना देंगे। बेहतर होगा कि स्कूल में कमजोर छात्रों को स्कूल के समय बाद अतिरिक्त कक्षाओं के जरिये मजबूती प्रदान की जाए। खासकर बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों पर अधिक ध्यान व समय देकर स्कूल प्रबंधक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा। अधिक विषयों के लिये योग्य शिक्षकों की नियुक्ति व रटने के बजाय समझने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर भी कोचिंग प्रथा को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही स्कूलों में छात्रों का मध्यावधि मूल्यांकन भी मददगार साबित हो सकता है। राज्य बोर्डों को भी छात्रों के ज्ञान के मूल्यांकन को नया स्वरूप देना चाहिए। वे छात्रों को समझ और व्यावहारिक ज्ञान देने को प्राथमिकता दें बजाय कि रटने की प्रवृत्ति को बढ़ाने की। यदि निजी कोचिंग अपरिहार्य है तो कम आय वाले छात्रों के लिये आर्थिक सहायता नैसर्गिक न्याय करेगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाना संभव है। अन्यथा कोचिंग का दायरा बढ़ता ही रहेगा। अन्यथा असमानता बढ़ेगी और कक्षाओं में छात्रों की भागीदारी कम होती जाएगी।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु, शनिवार, 30 अगस्त 2025

महिलाओं के लिए बिल्कुल सुरक्षित नहीं है देश के ये बड़े शहर, आ गई सेफ और अनसेफ शहरों की लिस्ट

कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई भारत में महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहर बनकर उभरे हैं, जबकि पटना, जयपुर, फरीदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, श्रीनगर और रांची इस मामले में सबसे निचले पायदान पर हैं। बृहस्पतिवार को जारी राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट एवं सूचकांक (एनएआरआई) 2025 तो कुछ यही बयां करता है।

31 शहरों की लिस्ट जारी

यह राष्ट्रव्यापी सूचकांक 31 शहरों की 12,770 महिलाओं पर की गई रायशुमारी पर आधारित है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा स्कोर 65 फीसदी रखा गया है और शहरों को उक्त मानक से काफी ऊपर, ऊपर, समान, नीचे या काफी नीचे श्रेणियों में वगीकृत किया गया है। सूचकांक में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले कोहिमा और विशाखापत्तनम जैसे शहरों के अच्छे प्रदर्शन के पीछे मजबूत लैंगिक समानता, नागरिक भागीदारी, पुलिस व्यवस्था और महिला-अनुकूल बुनियादी ढांचे का हाथ बताया गया है। वहीं, इसमें सबसे निचले पायदान पर काबिज पटना और जयपुर जैसे शहरों के खराब प्रदर्शन के लिए कमजोर

संस्थागत प्रतिक्रिया, पितृसत्तात्मक मानदंडों और शहरी बुनियादी ढांचे में कमी जैसे कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया है।

रात में सुरक्षित नहीं हैं महिलाएं

एनएआरआई-2025 में कहा गया है- कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई राष्ट्रीय सुरक्षा रैंकिंग में सबसे आगे हैं, जिसके लिए मुख्यतः उच्च लैंगिक समानता, बेहतर बुनियादी ढांचा, पुलिस व्यवस्था और नागरिक भागीदारी जिम्मेदार है। वहीं, रांची, श्रीनगर, कोलकाता, दिल्ली, फरीदाबाद, पटना और जयपुर सबसे निचले स्थान पर हैं, जिसके पीछे खराब बुनियादी ढांचा, पितृसत्तात्मक मानदंड और कमजोर संस्थागत जवाबदेही जैसे कारकों का हाथ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर सर्वेक्षण में शामिल दस में से छह महिलाओं ने अपने शहर में सुरक्षित महसूस करने की बात कही, लेकिन 40 प्रतिशत ने अभी भी खुद को उतना सुरक्षित नहीं या असुरक्षित माना। सर्वेक्षण से पता चला है कि रात में सुरक्षित महसूस करने की धारणा में भारी गिरावट आई है, खासकर सार्वजनिक परिवहन और मनोरंजन स्थलों में। इसमें पाया गया है कि शैक्षणिक संस्थानों में 86 फीसदी महिलाएं दिन में सुरक्षित महसूस करती हैं, लेकिन रात में या परिसर के बाहर वे अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता में घिरी रहती हैं।

उत्पीड़न की शिकायत करने से बचती हैं महिलाएं

सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 91 फीसदी महिलाएं कार्यस्थल पर सुरक्षित महसूस करती हैं, लेकिन उनमें से लगभग आधी महिलाओं को यह स्पष्ट नहीं है कि उनके कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पीओएसएच) नीति लागू है या नहीं। इसमें कहा गया है कि जिन महिलाओं ने कार्यस्थल पर पीओएसएच नीति होने की बात कही, उनमें से अधिकतर ने इन्हें प्रभावी माना। सर्वेक्षण में शामिल केवल एक-चौथाई महिलाओं ने कहा कि उन्हें अधिकारियों के सुरक्षा संबंधी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करने का भरोसा है। 69 फीसदी महिलाओं ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा प्रयास कुछ हद तक पर्याप्त हैं, जबकि 30 प्रतिशत से ज्यादा ने महत्वपूर्ण कमियों का जिक्र किया। केवल 65 फीसदी ने 2023-2024 के दौरान इसमें वास्तविक सुधार आने की बात कही। एनएआरआई-2025 के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल हर तीन में से दो महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करती हैं, जिसका मतलब यह है कि एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो) के पास अधिकांश घटनाएं दर्ज ही नहीं होतीं। इसमें अपराध के आंकड़ों को एनएआरआई जैसे धारणा-आधारित सर्वेक्षणों के साथ एकीकृत करने का आान किया गया है।

खुद को सीमित कर लेती हैं महिलाएं

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने एनएआरआई-2025 जारी करते हुए कहा कि सुरक्षा को केवल कानून-व्यवस्था के मुद्दे के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह महिलाओं के जीवन के हर पहलू को प्रभावित करती है, चाहे वह उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, कार्य के अवसर और आवागमन की स्वतंत्रता हो। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं असुरक्षित महसूस करती हैं, तो वे खुद को सीमित कर लेती हैं, और महिलाओं का खुद को सीमित कर लेना न केवल उनके अपने विकास, बल्कि देश के विकास के लिए भी ठीक नहीं है।

असम और नागालैंड की सबसे खूबसूरत पांच जगह, जहां होता है परंपरा और प्रकृति का मिलन

अगर आप भीड़ से हटकर कुछ अनोखा देखना चाहते हैं, तो असम और नागालैंड के छिपे पर्यटन स्थलों की यात्रा करें, जो पर्यटकों की नजरों से अब तक दूर हैं। इस लेख में असम और पर्यावरण के सबसे सुंदर और कम भीड़भाड़ वाले पर्यटन स्थलों के बारे में जानिए। भारत का उत्तर-पूर्वी हिस्सा रहस्यमयी पहाड़ियों, हरे-भरे जंगलों और जीवंत परंपराओं का घर है। असम और नागालैंड जैसे राज्य सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं बल्कि अपनी गहरी सांस्कृतिक जड़ों और अनोखी परंपराओं के लिए भी मशहूर हैं। इन दोनों राज्यों में ऐसे कई छिपे हुए स्थल हैं, जहां आधुनिकता और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। असम और नागालैंड सिर्फ

पर्यटन स्थल नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक समृद्धि के प्रतीक हैं। इन राज्यों के कुछ खूबसूरत पर्यटन स्थल पर्यटकों को शांति, रोमांच और परंपरा का एक साथ अनुभव कराते हैं। अगर आप भीड़ से हटकर कुछ अनोखा देखना चाहते हैं, तो असम और नागालैंड के छिपे पर्यटन स्थलों की यात्रा करें, जो पर्यटकों की नजरों से अब तक दूर हैं। इस लेख में असम और पर्यावरण के सबसे सुंदर और कम भीड़भाड़ वाले पर्यटन स्थलों के बारे में जानिए।

माजुली द्वीप

यह असम का सांस्कृतिक रत्न है। दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली द्वीप है जो कि ब्रह्मपुत्र नदी के बीच स्थित है। यह न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि वैष्णव मठों के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां लोककला, मुखौटा बनाने की परंपरा और शांत जीवनशैली पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

दजुको वैली

दजुको वैली को असम-नागालैंड सीमा का स्वर्ग कहा जाता है। फूलों की घाटी कही जाने वाली दजुको वैली नागालैंड और मणिपुर की सीमा पर है। गर्मियों में यहां खिले हुए फूल और हरियाली किसी स्वर्ग से कम नहीं लगते। यह ट्रेकिंग और नेचर-लवर्स के लिए एक बेहतरीन जगह है।

बालागंज में विश्वमांगल्य सभा की प्रथम सदाचार सभा सम्पन्न

हिन्द सागर प्रलोका सम्वाददाता अनीता लोहानी

लखनऊ, विश्वमांगल्य सभा द्वारा बालागंज, हैदरगंज स्थित मंदिर में प्रथम सदाचार सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हवन से हुआ, जिसे आचार्या डॉ. अंजु चौधरी ने सम्पन्न कराया। बच्चों ने राष्ट्र की मंगलकामना हेतु आहुति दी और वातावरण पवित्र ऊर्जा से भर गया।

नगर अध्यक्ष नमिता शुक्ला की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष सफल बनाया। सभा की संयोजिका प्रतिभा बालियान ने सभा की परिचय प्रणाली समझाई। नन्हीं बालिकाएँ रिदिमा और वेदांशी ने मंत्रोच्चारण कर सबको मंत्रमुग्ध किया।

लेखन कार्य में अवध प्रांत सहसचिव रमा कर्नवाल का सहयोग उल्लेखनीय रहा। बच्चों ने ॐ गं गणपतये नमः लिखकर अपनी आस्था व्यक्त की। पार्षद गौरी सांवरिया ने बच्चों को हिन्द सागर के हिंदी गिनती कैलेंडर व पखवाड़े की सामग्री भेंट की और धर्म-संस्कृति के प्रसार का आश्वासन दिया।

मुख्य संयोजिका गीता सक्सेना के अथक प्रयासों से यह कार्यक्रम संभव हुआ। मान सिंह और उनके परिवार सहित मोहल्ले के लोगों का सहयोग भी सराहनीय रहा। पर्यावरण संरक्षण के संदेश हेतु महिलाओं ने आटे से इको-फ्रेंडली गणपति प्रतिमा बनाई।

अंत में प्रतिभा बालियान ने कहा कि आज समाज को सबसे अधिक आवश्यकता सदाचार और संस्कार की है।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा – जब मातृशक्ति जागेगी तभी बच्चे अपने मूल्यों को समझेंगे। सदाचार सभा का उद्देश्य है जागरूकता और संस्कृति का संवर्धन।

राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी दुखद और चिंतनीय: मायावती

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को कहा कि राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी किया जाना दुखद और चिंतनीय है। उनका यह बयान बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कथित तौर पर एक मंच से कुछ लोगों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी के बाद आया है। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, देश में खासकर राजनीतिक स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता हुआ स्तर अति-दुखद एवं चिंतनीय है। उन्होंने कहा, देश में उच्च सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं व विशेषकर राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के बारे में जिस प्रकार की अभद्र, अशोभनीय, अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी करके उनकी व देश की छवि को भी धूमिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं वह अत्यंत दुखद व चिंतनीय है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में सभी दलों की राजनीति सिद्धांत आधारित तथा देश और आमजन के हित में होनी चाहिए। उन्होंने कहा, खासकर चुनाव के समय यह प्रक्रिया और भी अधिक विषैली व हिंसक हो जाती है।

बेटियों की परवरिश में भूल से भी न करें इन 10 बातों को नजरअंदाज, वरना रह जाएंगी कमजोर

समाज बदल रहा है, चुनौतियां बढ़ रही हैं और ऐसे में बेटियों को सिर्फ लाड़-प्यार नहीं, बल्कि साहस, आत्मनिर्भरता और जीवन कौशल की जरूरत है। माता-पिता के लिए यह जरूरी है कि वे अपनी बेटियों को इस तरह पालें कि वे किसी भी परिस्थिति का सामना मजबूती से कर सकें। बेटियों को सुरक्षा न दें, बल्कि वह हर परिस्थिति में खुद को सुरक्षित रख सकें, ऐसा कौशल सिखाएं। आर्थिक और भावनात्मक तौर पर बेटियों को सशक्त बनाएं। इसके लिए उनके पालन पोषण के दौरान अभिभावकों को कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं माता पिता की ऐसी 10 सीख, जो हर बेटी को आत्मविश्वासी और मजबूत बना सकती है। बेटियों को मजबूत बनाने का मतलब है उन्हें जीवन की हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करना। सही पैरेंटिंग न सिर्फ उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगी बल्कि समाज को भी सशक्त करेगी।

आत्मविश्वास दें

बचपन से ही बेटियों को सिखाएं कि वे अपनी बात खुलकर रखें। उन्हें बोलने, सवाल करने और निर्णय लेने का मौका दें। आत्मविश्वास ही उन्हें हर परिस्थिति में खड़ा रखेगा।

आर्थिक आत्मनिर्भरता की सीख

शिक्षा को प्राथमिकता

बेटियों को हमेशा यह समझाएं कि शिक्षा उनका सबसे बड़ा हथियार है। सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि कौशल आधारित ज्ञान और करियर ओरिएंटेड सोच उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगी।

पॉकेट मनी से लेकर सेविंग तक, बेटियों को पैसों का महत्व और मैनेजमेंट सिखाना जरूरी है। उन्हें यह एहसास कराएं कि आर्थिक रूप से मजबूत होना ही असली स्वतंत्रता है।

'ना' कहना सिखाएं

किसी भी गलत परिस्थिति में समझौता न करना और दृढ़ता से ना कहना बेटियों के लिए बेहद जरूरी है। यह उन्हें शोषण या गलत फैसलों से बचाएगा।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर जोर

बेटियों को योग, मेडिटेशन और फिटनेस की आदत डालें। साथ ही, उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में भी समझाएं ताकि वे तनाव या दबाव से आसानी से उबर सकें।

सुरक्षा और आत्मरक्षा के गुर

कराटे, मार्शल आर्ट्स या सेल्फ-डिफेंस ट्रेनिंग बेटियों को न सिर्फ शारीरिक रूप से मजबूत बनाती है बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाती है।

समानता की समझ

बेटियों को सिखाएं कि वे किसी से कम नहीं हैं। घर के काम से लेकर बाहर के फैसलों तक, उन्हें बराबरी का हक दें और यही सोच उनमें विकसित करें। बेटियों को हर छोटे-बड़े फैसले लेने के लिए प्रोत्साहित करें। चाहे कपड़े चुनने हों या पढ़ाई का विषय झ यह आदत उन्हें भविष्य में स्वतंत्र बनाएगी।

असफलता से न डरना

हर असफलता एक अनुभव है। बेटियों को सिखाएं कि हारना बुरा नहीं है, बल्कि उससे सीखना सबसे बड़ी जीत है। उन्हें निडर बनाएं, फिर चाहे वह कोई विषम परिस्थिति हों या असफलता हों।

रोल मॉडल बनें

माता-पिता का व्यवहार ही बच्चों की सबसे बड़ी सीख होती है। बेटियों को वही सिखाएं, जो आप अपने जीवन में अपनाते हैं चाहे वह मेहनत हो, ईमानदारी या आत्मनिर्भरता।

लगातार पैरों में दर्द और झुनझुनी होने का कारण शरीर में कम है ये विटामिन

हमारे शरीर के लिए विटामिन्स बेहद जरूरी होते हैं। ये विटामिन्स हमारे शरीर के कई जरूरी कामों में मदद करते हैं। अगर किसी खास विटामिन की कमी हो जाए तो शरीर में कई तरह की समस्याएं शुरू

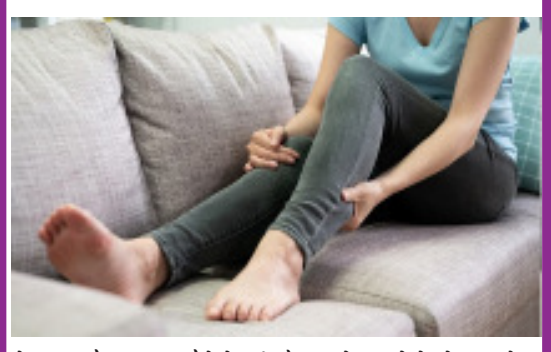

हो सकती हैं। खासकर पैरों में दर्द और चलने-फिरने में परेशानी होना कई बार विटामिन की कमी का संकेत हो सकता है। आज हम बात करेंगे उस एक विटामिन के बारे में जिसकी कमी से पैरों में दर्द और कमजोरी महसूस होती है।

विटामिन बी12 की कमी से होती है परेशानी

पैरों में दर्द और कमजोरी का एक बड़ा कारण विटामिन बी12 की कमी हो सकती है। विटामिन बी12 हमारे शरीर के लिए नर्व सिस्टम और रक्त निर्माण के लिए बहुत जरूरी होता है। जब शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाती है तो नसें कमजोर होने लगती हैं और नर्व फंक्शन प्रभावित होता है। इसके कारण पैरों में झुनझुनी, दर्द और चलने में दिक्कत हो सकती है।

पैरों में दर्द और झुनझुनी की समस्या

जब विटामिन बी12 की कमी होती है तो पैरों में झुनझुनी या सनसनाहट महसूस हो सकती है। यह एक तरह का नर्व डैमेज होता है, जिसे न्यूरोपैथी कहा जाता है। शुरूआत में दर्द हल्का होता है, लेकिन समय के साथ यह बढ़ सकता है और पैरों में भारीपन या कमजोरी भी महसूस हो सकती है। इस वजह से चलने-फिरने में परेशानी होती है।

कमजोरी और थकान का एहसास

विटामिन बी12 की कमी से शरीर में थकान और कमजोरी भी आ सकती है। खासकर पैरों में मांसपेशियों की ताकत कम हो जाती है, जिससे चलने-फिरने की क्षमता प्रभावित होती है। जो लोग अक्सर थकान महसूस करते हैं या पैरों में कमजोरी का सामना कर रहे हैं, उन्हें अपनी विटामिन बी12 की लेवल जरूर चेक करानी चाहिए।

विटामिन बी12 की कमी के और लक्षण

सिर्फ पैरों में दर्द ही नहीं, विटामिन बी12 की कमी से कई और लक्षण भी नजर आते हैं जैसे कि कमजोरी, याददाश्त कमजोर होना, मूड में बदलाव, और जीभ का लाल होना। यदि ये लक्षण दिखें तो जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

विटामिन बी12 की कमी कैसे पूरी करें?

विटामिन बी12 की कमी को पूरा करने के लिए सबसे पहले सही डायग्नोसिस जरूरी है। इसके बाद डॉक्टर विटामिन बी12 के सप्लीमेंट्स देने की सलाह देते हैं। इसके अलावा मांसाहारी लोगों के लिए अंडे, दूध, मांस और मछली विटामिन बी12 के अच्छे स्रोत हैं। शाकाहारी लोग फोर्टिफाइड फूड्स या सप्लीमेंट के जरिए विटामिन बी12 ले सकते हैं।

बचाव के उपाय

अपनी डाइट में विटामिन बी12 युक्त चीजें शामिल करें। समय-समय पर अपनी हेल्थ चेकअप करवाते रहें। थकान या पैरों में दर्द की समस्या हो तो उसे नजरअंदाज न करें।

डॉक्टर से सलाह लेकर सप्लीमेंट लेना शुरू करें।

पैरों में दर्द और चलने-फिरने में परेशानी को हल्के में न लें। यह विटामिन बी12 की कमी का संकेत हो सकता है, जिसे समय रहते सही इलाज से ठीक किया जा सकता है। अपने शरीर की सुनें और सही पोषण लेकर स्वस्थ रहें। अगर आपको पैरों में लगातार दर्द या कमजोरी महसूस हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध के अलावा इन चार चीजों में भी होता है भरपूर कैल्शियम, आज से ही डाइट में करें शामिल

अक्सर लोग शरीर में कैल्शियम की कमी को दूर करने के लिए दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करते हैं। बहुत कम लोगों को मालूम है कि दूध के अलावा भी कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए कुछ और विकल्प भी हैं। आइए इस लेख में उसी के बारे में जानते हैं। कैल्शियम हमारे शरीर के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण खनिज है, जो न केवल हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है, बल्कि मांसपेशियों के कार्य, तंत्रिका संचार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता

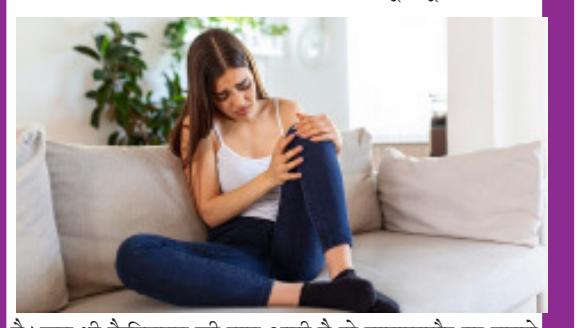

है। जब भी कैल्शियम की बात आती है तो सामान्यतौर पर सबसे पहले लोगों के दिमाग में दूध का विकल्प आता है। कई लोग लैक्टोज इनटॉलेरेंस या वीगन डाइट के कारण दूध का सेवन नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आप डेयरी प्रोडक्ट के अलावा भी कुछ चीजों का सेवन कर सकते हैं जिनमें कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है। इन खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करके आप अपनी कैल्शियम की दैनिक जरूरत को आसानी से पूरा कर सकते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं। आइए इस लेख में दूध के अलावा चार ऐसी चीजों के बारे में जानते हैं, जिनमें कैल्शियम की मात्रा भरपूर होती है।

चिया सीड्स

अक्सर कुछ लोग चिया सीड्स को सुपरफूड्स के नाम से जानते हैं। ये छोटे से बीज पोषक तत्वों का भंडार होते हैं। इनमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा, चिया सीड्स में फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड और प्रोटीन भी होते हैं, जो पाचन, हृदय और दिमाग के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना बहुत आसान है। आप इन्हें अपनी सुबह की स्मूदी, दलिया या सलाद में मिलाकर खा सकते हैं, जिससे आपके शरीर को भरपूर पोषण मिल सके।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु, शनिवार, 30 अगस्त 2025

जान्हवी कपूर

की आगामी फिल्में, 'परम सुंदरी' से लेकर 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' तक शामिल

इस साल जान्हवी कपूर के पास कई बड़ी फिल्में हैं, जो बॉलीवुड और साउथ इंडियन सिनेमा दोनों में रिलीज होने वाली हैं। इनमें 'परम सुंदरी', पेद्दी और 'देवरा पार्ट 2' के अलावा भी कई फिल्में शामिल हैं। 2025 जान्हवी कपूर के लिए ब्रेकथ्रू ईयर साबित हो सकता है। ये आगामी फिल्में उनकी बहुमुखी प्रतिभा दिखाएंगी। जिसमें रोमांस से लेकर एक्शन तक होगा। फैंस इन रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित रिलीज में से एक है, जो आज 29 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें उत्तर और दक्षिण भारत की संस्कृतियों का मजेदार मेल दिखाया जाएगा। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है और इसे दिनेश विजन की मडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी एक पंजाबी लड़के परम (सिद्धार्थ मल्होत्रा) और एक तमिल लड़की सुंदरी (जान्हवी कपूर) की है। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' एक फैमिली एंटरटेनर रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो जान्हवी कपूर और वरुण धवन की जोड़ी को फिर से लेकर आ रही है। दोनों ने पहले 2023 में फिल्म 'बावल' में साथ काम किया था। अब यह उनकी एक साथ दूसरी फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है, जो 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया' और 'धड़क' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वरुण धवन सनी संस्कारी का रोल निभा रहे हैं, जो एक शायराना और मजाकिया लड़का है। जान्हवी कपूर तुलसी कुमारी के किरदार में हैं, जो एक जीवंत और चुलबुली लड़की है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉई जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'देवरा' सीरीज की दूसरी कड़ी है 'देवरा पार्ट 2'। यह तेलुगु सिनेमा की एक बड़ी एक्शन ड्रामा फिल्म है। पहला पार्ट 2024 में रिलीज हुआ था, जिसमें जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म का निर्देशन कोराताला सिवा ने किया है, और यह एक गांव की पृष्ठभूमि पर बनी एक्शन-ड्रामा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'देवरा पार्ट 2' में जान्हवी का रोल पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण होगा। 'पेद्दी' ('आरसी16') एक अलग तेलुगु एक्शन फिल्म है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर और राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। यह भी 2025 में रिलीज होने वाली है। निर्देशन के.एस. रविकुमार का है। यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन ड्रामा है। इस फिल्म में जान्हवी का रोल दमदार होगा। बहरहाल, फिल्म की शूटिंग चल रही है।

बॉलीवुड के बाद अब महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा को साउथ इंडस्ट्री से भी मिला ऑफर

महाकुंभ से वायरल होने वाली गर्ल मोनालिसा की किस्मत इन दिनों बुलंदियां छू रही हैं। माला बेचते बेचते एकदम बॉलीवुड में एंट्री करने वाली मोनालिसा अब साउथ इंडस्ट्री में भी अपना जलवा दिखाएंगी। जी हां,

बॉलीवुड के बाद अब मोनालिसा को मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से भी ऑफर मिला है, जिसके बाद वो और भी चर्चा में आ गई हैं। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोनालिसा नागम्मा नाम की मलयालम फिल्म से साउथ इंडस्ट्री का हिस्सा बनने जा रही हैं। फिल्म में उनके साथ एक्टर कैलाश लीड रोल में होंगे। कैलाश को नीलाथमारा फिल्म में जबरदस्त परफॉर्मेंस देने के लिए जाना जाता है। फिल्म का निर्देशन बीनू वर्गीस कर रहे हैं। वहीं, इसके प्रोड्यूसर जीली जॉर्ज हैं। फिल्म की शूटिंग सितंबर के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। मोनालिसा की नई फिल्म नागम्मा की पूजा कोच्चि में की गई है, जिसमें मशहूर फिल्म निर्देशक सिबी मलयिल भी शामिल हुए और इसकी सक्सेस की कामना की। वहीं डायरेक्टर बीनू वर्गीस के लिए फिल्म काफी खास होने वाली है। बता दें, मोनालिसा जल्द ही फिल्म द डायरी ऑफ वासेपुर के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी, जिसे सनोज मिश्रा डायरेक्ट कर रहे हैं। मोनालिसा को बॉलीवुड में लाने वाले सनोज मिश्रा ही हैं, जिन्होंने उन्हें अपनी फिल्म में ऑफर दिया। बस इसके बाद फिर वायरल गर्ल की किस्मत पलट गई।

हाथ में मिठाई और चेहरे पर मुस्कान..मां महिमा चौधरी संग एयरपोर्ट स्पॉट हुई अरियाना ने चुराई लाइमलाइट

एक्ट्रेस महिमा चौधरी की बेटी अरियाना मुखर्जी चर्चित स्टार किड्स में से एक हैं। जब भी अरियाना स्पॉट होती हैं तो लाइमलाइट लूट लेती हैं। गुरुवार

को मां-बेटी की जोड़ी मुंबई एयरपोर्ट स्पॉट हुईं। जैसे ही दोनों अंदर आईं, पपाराजी ने उन्हें कैमरे में कैद कर लिया और फैन्स अपना प्यार नहीं रोक पाए और ऑनलाइन प्यार भरे कमेंट्स की बौछार कर दी। महिमा और अरियाना ने खुशी-खुशी साथ में तस्वीरें खिंचवाईं। लुक की बात करें तो महिमा ने शर्ट, जींस और ब्लेजर में अपना क्लासी लुक बरकरार रखा। अरियाना ने ब्लैक क्रॉप टॉप और बैगी पैंट के साथ कैजुअल लुक चुना। उनकी चमकदार मुस्कान इस मौके का मुख्य आकर्षण बन गई। एक फैन ने कमेंट किया-वह स्टार किड्स में सबसे प्यारी हैं। एक ने लिखा-अपनी मां की कॉपी बिल्कुल। क यूजर ने तो यहां तक सुझाव दिया-क्या हम उनकी बेटी के साथ परदेस 2 बना सकते हैं? महिमा की साल 2006 में बिजनसमैन बॉबी मुखर्जी से शादी हुई थी। हालांकि बॉबी मुखर्जी से साल 2013 में ही अलग हो चुकी हैं और अपनी बेटी की देखभाल और परवरिश अकेले कर रही हैं। उन्होंने बॉबी मुखर्जी से तलाक तो नहीं लिया लेकिन दोनों अलग रहते हैं। अपनी बेटी की कस्टडी पाने के लिए इस कपल ने कोर्ट में लंबी लड़ाई लड़ी थी। हालांकि अंत में अदालत ने महिमा को बेटी की कस्टडी दी थी।

मां बनने के लिए तरसी सनी लियोनी ने सरोगेट मदर को दिए करोड़ों

बोलीं-उन पैसों से उसने घर बनवा लिया, शादी कर ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी तीन बच्चों की मां हैं। एक गोद ली हुई बेटी निशा और सरोगेसी से पैदा हुए जुड़वां बेटों नूह और अशर। हाल ही में सनी लियोनी ने अपने सरोगेसी अनुभव के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किय। उन्होंने बताया कि सरोगेट मां को इतनी मोटी रकम मिली थी कि वह अपना घर बनवा पाई और अपनी शादी का खर्च उठा पाई। सनी अपने अगले पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में सोहा अली खान के साथ सरोगेसी के सफर पर बात करती नजर आएंगी। इस एपिसोड का ट्रेलर सोहा ने गुरुवार को पोस्ट किया। वीडियो की शुरूआत सोहा अली खान के ये कहने से होती है-आज का एपिसोड असल में माता-पिता बनने के अलग-अलग तरीकों को जानने के बारे में है जिसके बाद सनी कहती हैं-मेरे मन में एक विचार आया कि मैं एक बच्चा गोद लेना चाहती हूं।श भारत की स्त्री रोग विशेषज्ञों में से एक, किरण कोएलो भी महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में बात करने के लिए उनके साथ हैं। ट्रेलर में, सनी एक बच्ची को गोद लेने के सफर के बारे में बात करते हुए कहती हैं - हमने गोद लेने के लिए आवेदन किया था और जिस दिन आईवीएफ हुआ उसी दिन हमें एक बच्ची मिल गई। बातचीत के दौरान, सोहा ने सनी से पूछा कि क्या उन्होंने सरोगेसी का फैसला जानबूझकर लिया था क्योंकि वह मां नहीं बनना चाहती थीं। सनी ने इस बात पर कहा, हां मैंने ऐसा नहीं किया।

गोविंदा और सुनीता के रिश्ते पर बप्पा की कृपा: कपल ने नाचते गाते हुए बेटे संग किया गणपति विसर्जन, सामने आया वीडियो

गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा एक साथ नजर आए, जिससे हाल ही में उठी तलाक की अफवाहों पर विराम लग गया है। विसर्जन के दौरान दोनों ने पूरे जोश के साथ बप्पा को विदा किया और उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। गोविंदा और सुनीता आहुजा ने अपने बेटे के साथ धूमधाम से बप्पा को विदाई दी। दोनों न केवल एक साथ दिखे, बल्कि उन्होंने ढोल-नगाड़ों की थाप पर खूब डांस भी किया। गोविंदा सफेद कुर्ता-पजामा पहने हमेशा की तरह एनर्जेटिक अंदाज में नजर आए, जबकि सुनीता ट्रेडिशनल सूट में कूल लुक में नजर आई। वहीं, उनके बेटे यशवर्धन बप्पा की मूर्ति को अपनी गोद में उठाए हुए दिखे। विसर्जन के दौरान इन तीनों की केमिस्ट्री ने यह साफ कर दिया कि परिवार में सब कुछ ठीक चल रहा है। विसर्जन से पहले सुनीता आहूजा ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वह गोविंदा, अपने बेटे यशवर्धन, मां और एक्ट्रेस मनीषा कोइराला के साथ कैमरे के सामने खड़ी दिखीं। इस फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा-गणपति बप्पा मोरया। इस पोस्ट ने भी यह संकेत दिया कि गोविंदा और सुनीता के रिश्ते में कोई दरार नहीं है और वे मिलकर बप्पा का स्वागत और पूजा कर रहे हैं। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि गोविंदा और सुनीता के बीच अनबन चल रही है और दोनों तलाक की प्रक्रिया में हैं। इन अटकलों पर एक्टर के मैनेजर शशि सिन्हा ने प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि ये खबरें पुरानी और निराधार हैं।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु, शनिवार, 30 अगस्त 2025

पाटीदार-दानिश के शतक से मध्य क्षेत्र का बड़ा स्कोर, शमी का संतोषजनक प्रदर्शन; मनीषी भी चमके

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहला मैच उत्तर क्षेत्र और पूर्व क्षेत्र की टीमों के बीच खेला जा रहा है। दिन का खेल समाप्त होने तक उत्तर क्षेत्र ने आयुष बडोनी की अर्धशतकीय पारी की मदद से छह विकेट पर 308 रन बनाए। वहीं, दूसरे मुकाबले में मध्य क्षेत्र का सामना उत्तर पूर्वी क्षेत्र की टीम से हो रहा है। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मध्य क्षेत्र की टीम ने स्टंप्स तक दो विकेट पर 432 रन बनाए। दलीप ट्रॉफी 2025 की गुरुवार को क्वार्टर फाइनल के मुकाबलों के साथ शुरूआत हो गई। पहला मैच उत्तर क्षेत्र और पूर्व क्षेत्र की टीमों के बीच खेला जा रहा है। दिन का खेल समाप्त होने तक उत्तर क्षेत्र ने आयुष बडोनी की अर्धशतकीय पारी की मदद से छह विकेट पर 308 रन बनाए। वहीं, दूसरे मुकाबले में मध्य क्षेत्र का सामना उत्तर पूर्वी क्षेत्र की टीम से हो रहा है। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मध्य क्षेत्र की टीम ने स्टंप्स तक दो विकेट पर 432 रन बनाए। उनके लिए दानिश मालेवर और कप्तान रजत पाटीदार ने शतकीय पारियां खेलीं। सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के प्रभावशाली प्रदर्शन और बाएं हाथ के युवा स्पिनर मनीषी की धारदार गेंदबाजी की बदौलत पूर्वी क्षेत्र ने पहले दिन स्टंप तक उत्तर क्षेत्र को छह विकेट पर 308 रन ही बनाने दिए। मध्यक्रम के बल्लेबाज आयुष बडोनी ने चिकनी पिच पर 60 गेंद में 63 रन की शानदार पारी खेली। लेकिन उत्तर क्षेत्र के अन्य बल्लेबाजों को इस बात का मलाल रहेगा कि पूर्वी क्षेत्र के गेंदबाजों के खिलाफ मजबूत शुरूआत करने के बाद भी वे लय में नहीं आ पाए। लेकिन पूरा फोकस शमी पर था जो नवंबर 2024 के बाद से अपना पहला प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे थे। वह पहले दो स्पैल में थोड़ी लय में नहीं दिखे। उत्तर के सलामी बल्लेबाज और कप्तान अंकित कुमार तथा शुभम खजूरिया ने बिना किसी परेशानी के उनका डटकर सामना किया। लेकिन लंच के ठीक बाद उनके तीसरे स्पैल (4-2-9-0) में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। वह ऑफ स्टंप के बाहर बल्लेबाजों की परीक्षा ले रहे थे। बडोनी और निशांत सिंधु के पैड पर कुछ गेंदें लगीं। 34 वर्षीय शमी चौथे स्पैल (5-0-26-1) में दिन का अपना पहला विकेट ले सकते थे लेकिन कुमार कुशाग्र ने 27 के निजी स्कोर पर कन्हैया वधावन (37) का कैच टपका दिया। लेकिन शमी को जल्द ही सफलता मिली जब उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर एक ढीली गेंद पर साहिल लोत्रा को विकेट के पीछे कैच करा दिया। शमी भले ही हर गेंद पर उतने खतरनाक नहीं दिख रहे थे जितना वह अपने खेल और फिटनेस के शीर्ष पर होने पर करते हैं। लेकिन उन्होंने दिन में 17 ओवर (55 रन देकर 1 विकेट) में संतोषजनक प्रदर्शन किया। हाल में दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बडोनी ने अपने आक्रामक खेल से प्रभावित किया और उनके ड्राइव देखने लायक थे। उन्होंने लाल गेंद की जरूरतों के अनुसार खुद को पूरी सहजता से ढाल लिया। वह तेज गेंदबाज मुख्तार हुसैन की गेंद पर पुल करने की कोशिश में लेग साइड में कैच आउट हो गए। उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाज खजूरिया (26), अंकित (30), यश दुल (39) और निशांत (47) अच्छी शुरूआत के बावजूद इसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके। भारत के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के लिए चिंता की बात रही क्योंकि उन्हें पहले और दूसरे सत्र के बीच अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट के इलाज के लिए नौ ओवर मैदान से बाहर बिताने पड़े। जमशेदपुर के 21 साल के मनीषी ने 90 रन देकर तीन विकेट विकेट झटके। मध्य क्षेत्र बनाम उत्तर पूर्वी क्षेत्र (क्वार्टरफाइनल-पहला दिन) पहले बल्लेबाजी करने उतरी मध्य क्षेत्र की शुरूआत झटकों के साथ हुई। आयुष पांडे महज तीन रन बनाकर आउट हो गए जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन जुयाल 100 गेंदों में 0 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। इसके बाद मोर्चा दानिश मालेवर और कप्तान रजत पाटीदार ने संभाला। दोनों ने शतक लगाए। मालेवर 219 गेंदों में 198 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि पाटीदार 96 गेंदों में 125 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। यश राठोड़ 37 गेंदों में 32 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं।

श्रीलंका ने एशिया कप के लिए 16 सदस्यीय टीम घोषित की, हसरंगा को मिला मौका; चरिथ करेंगे कप्तानी

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका को एशिया कप में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और हांगकांग के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। सुपर फोर चरण से पहले श्रीलंका का सामना 13 सितम्बर को बांग्लादेश से, 15 सितम्बर को हांगकांग से और 18 सितम्बर को अफगानिस्तान से होगा। श्रीलंका ने अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए गुरुवार को 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। एशिया कप का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नौ सितंबर से होना है। श्रीलंका ने इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा को मौका दिया है। दिलचस्प बात यह है कि हसरंगा एशिया कप से ठीक पहले होने वाले जिम्बाब्वे दौरे के लिए श्रीलंकाई टीम का हिस्सा नहीं हैं। ग्रुप बी में शामिल है श्रीलंका जिम्बाब्वे दौरा शुक्रवार को हरारे में पहले वनडे मैच से शुरू होगा। इस दौरे में श्रीलंका एक और वनडे तथा तीन टी20 मैच खेलेगा। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान हसरंगा की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। श्रीलंका ने उनके अलावा एशिया कप की टीम में दो युवा बल्लेबाजों कामिल मिशारा और नुवानिदु फर्नांडो को भी शामिल किया है। श्रीलंका को एशिया कप में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और हांगकांग के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। सुपर फोर चरण से पहले श्रीलंका का सामना 13 सितम्बर को बांग्लादेश से, 15 सितम्बर को हांगकांग से और 18 सितम्बर को अफगानिस्तान से होगा। एशिया कप के लिए श्रीलंकाई टीम इस प्रकार है... चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कुसल परेरा (विकेटकीपर), नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेलालेज, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

आठ शतक और 2775 रन... शुरूआती 55 वनडे मैचों में बनाए सर्वाधिक रन

विराट और सचिन को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में हमेशा से ही युवा खिलाड़ियों की तुलना दिग्गजों से की जाती रही है। शुभमन गिल, विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर...ये तीनों नाम आज की पीढ़ी से लेकर पुरानी पीढ़ी तक क्रिकेट प्रेमियों के बीच बहस का मुद्दा रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो शुभमन गिल ने वनडे की सिर्फ 55 पारियों में 2775 रन बना दिए हैं। उनका औसत 59.04 है। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल बहुत जल्द एशिया कप में खेलते नजर आएंगे। नौ सितंबर से शुरू हो रहे आगामी टूर्नामेंट के लिए उन्हें भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया है। गिल ने अपने वनडे करियर की शुरूआत बेहद प्रभावशाली अंदाज में की है। उन्होंने शुरूआती 55 वनडे मैचों में सर्वाधिक रन बनाकर विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। भारतीय क्रिकेट में हमेशा से ही युवा खिलाड़ियों की तुलना दिग्गजों से की जाती रही है। शुभमन गिल, विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर...ये तीनों नाम आज की पीढ़ी से लेकर पुरानी पीढ़ी तक क्रिकेट प्रेमियों के बीच बहस का मुद्दा रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो शुभमन गिल ने वनडे की सिर्फ 55 पारियों में 2775 रन बना दिए हैं। उनका औसत 59.04 है। खास बात यह है कि गिल ने इस दौरान आठ शतक भी जड़े हैं, जो उनकी निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता का प्रमाण है। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने शुरूआती 55 वनडे पारियों में 2059 रन बनाए थे। उनका औसत 42.9 रहा और उन्होंने पांच शतक लगाए। ये आंकड़े साबित करते हैं कि कोहली ने भले ही धीमी शुरूआत की हो, लेकिन आगे चलकर वह दुनिया के सबसे बड़े चेज मास्टर बने और कई रिकॉर्ड तोड़े। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने शुरूआती 55 पारियों में 1556 रन बनाए थे। उनका औसत 31.76 रहा और इस दौरान उन्होंने कोई शतक नहीं लगाया था। अब बात करते हैं ओवरऑल रिकॉर्ड की तो गिल ने हाशिम अमला और इमाम-उल-हक जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ा है। वनडे की शुरूआती 55 पारियों में दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला हैं। अमला ने शुरूआती 55 मैचों के बाद 54 पारियों में 2713 रन बनाए थे। उनका औसत 55.37 का रहा और उन्होंने नौ शतक जड़े थे। वहीं, पाकिस्तान के इमाम-उल-हक ने शुरूआती 55 मैचों की 55 पारियों में 2539 रन बनाए थे। उनका औसत 51.82 का रहा और उन्होंने नौ शतक लगाए। पाकिस्तान के महान बल्लेबाज जहीर अब्बास ने 55 मैचों की 54 पारियों में 2432 रन बनाए थे।

'रोहित-कोहली और पुजारा सम्मानजनक विदाई के हकदार थे', इस पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने बीसीसीआई पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीकांत ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की आलोचना करते हुए कहा कि वह कोहली और रोहित के साथ टेस्ट क्रिकेट से उनके संन्यास लिए जाने के बारे में ठीक से बात नहीं कर पाई। पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली, रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा सम्मानजनक विदाई के हकदार थे। श्रीकांत ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की आलोचना करते हुए कहा कि वह कोहली और रोहित के साथ टेस्ट क्रिकेट से उनके संन्यास लिए जाने के बारे में ठीक से बात नहीं कर पाई। पुजारा ने हाल ही में क्रिकेट को कहा अलविदा रोहित और कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हाल ही में पुजारा ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कह दिया था। पुजारा को हाल ही में संपन्न हुए इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में नहीं चुना गया था। पुजारा ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में खेला था। पुजारा इसके बाद घरेलू क्रिकेट में खेलते रहे, लेकिन उन्होंने 2025-26 सीजन से ठीक पहले उन्होंने खेल को अलविदा कह दिया। श्रीकांत ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, अगर आप अपने देश के लिए 100 टेस्ट खेलते हैं तो आप एक बेहतरीन क्रिकेटर जरूर होंगे। इसलिए आपको एक शानदार विदाई मिलनी चाहिए। मुझे पूरा यकीन है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के समय संवादहीनता बहुत ज्यादा थी। उन्हें उनसे बात करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय यह खेल और भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है। श्रीकांत बोले- कोहली में दो साल का टेस्ट क्रिकेट शेष था बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता रह चुके श्रीकांत ने जोर देकर कहा कि कोहली में अभी कम से कम दो साल का टेस्ट क्रिकेट बाकी था और वह एक उचित विदाई के हकदार थे। श्रीकांत ने कहा, विराट कोहली का संन्यास ऐसे ही हुआ। कोहली एक बेहतर विदाई के हकदार थे। उनके पास अभी दो साल का टेस्ट क्रिकेट बाकी था।

'टैरिफ के बावजूद 2025 में पिछले वर्ष से अधिक होगा भारत का निर्यात', उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि टैरिफ के बावजूद इस साल भारत का निर्यात पिछले साल से अधिक होगा। पिछले वित्त वर्ष में भारत का कुल निर्यात 824.9 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। गोयल ने कहा कि सरकार निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही कई उपाय लाएगी। टैरिफ के बावजूद इस साल भारत का निर्यात पिछले साल से अधिक होगा। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यह दावा किया है। राजधानी दिल्ली में भारत बिल्डकॉन के कर्टेन रेजर कार्यक्रम में संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री ने यह बात कही। भारत न झुकेगा, न कमजोर होगा उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि किसी भी प्रकार का भेदभाव भारत के 1.4 अरब नागरिकों के आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को प्रभावित करता है। इसे ध्यान में रखते हुए, हम न तो झुकेंगे और न ही कभी कमजोर दिखेंगे। हम साथ मिलकर आगे बढ़ते रहेंगे और नए बाजारों पर कब्जा करेंगे। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस वर्ष हमारा निर्यात पिछले वर्ष से भी अधिक होगा।

कपास आयात छूट बढ़ाने के फैसले पर बीकेएस ने जताई आपत्ति, कहा- किसानों को होगा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय किसान संघ ने केंद्र से कपास आयात शुल्क पर छूट को 31 दिसंबर तक बढ़ाने के अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस कदम से घरेलू किसानों को नुकसान हो सकता है और भारत आयात पर निर्भरता की ओर बढ़ सकता है। भारतीय किसान संघ (बीकेएस) ने सरकार से कपास आयात शुल्क पर छूट की समयसीमा बढ़ाने के फैसले को वापस लेने का आग्रह किया। वित्त मंत्रालय ने शुरूआत में 11 अगस्त से 30 सितंबर, 2025 तक कपास आयात शुल्क पर छूट दी थी। हालिया फैसले ने इस छूट को दिसंबर के अंत तक बढ़ा दिया गया है। घरेलू किसानों को नुकसान का खतरा बीकेएस ने चेतावनी दी है कि इस कदम से घरेलू किसानों को नुकसान हो सकता है और भारत आयात पर निर्भरता की ओर बढ़ सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे एक पत्र में यह अपील की गई है। पत्र की एक प्रति केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी भेजी गई। भारत का कपास उत्पादन लगभग 320 लाख गट्ठर है पत्र के अनुसार, भारतीय कपास संघ (बीकेएस) ने बताया कि भारत का कपास उत्पादन लगभग 320 लाख गट्ठर है। वहीं घरेलू मांग लगभग 391 लाख गट्ठर है। भारत में कपास की एक मानक गट्ठर का वजन लगभग 170 किलोग्राम होता है। मिलों का अनुमान है कि आमतौर पर हर साल लगभग 60-70 लाख गट्ठर आयात की जाती हैं। यह देश के कुल कपास उपयोग का लगभग 12 प्रतिशत है। खेती का रकबा पिछले साल की तुलना में 3.2 प्रतिशत कम हुआ किसान संगठन ने कहा कि इस साल कपास की खेती का रकबा पिछले साल की तुलना में 3.2 प्रतिशत कम हुआ है। भारतीय किसान संघ ने चेतावनी दी है कि अगर घरेलू कपास बीज की उपलब्धता नहीं बढ़ी, तो भारत कपास का निर्यातक देश होने के बजाय आयातक देश बन जाएगा। कीमतों के गिरने का खतरा इसमें कहा गया है कि केंद्र की घोषणा के बाद कपास की कीमतें पहले ही 7,000 रुपये प्रति क्विंटल से गिरकर 6,000 रुपये प्रति क्विंटल पर आ चुकी हैं। और अगर दिसंबर तक शुल्क-मुक्त आयात जारी रहा, तो कीमतें और गिर सकती हैं। भारतीय किसान संघ ने पत्र में सवाल किया, अगर कपास का आयात केवल 2,000 रुपये प्रति क्विंटल पर किया जाता है, तो क्या कोई हमारे किसानों से 5,000 रुपये प्रति क्विंटल पर खरीदेगा? भारतीय किसान संघ के महासचिव मोहन मित्रा ने जोर देकर कहा कि सरकार को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने वित्त मंत्री को लिखे पत्र में लिखा कि अगर सरकार कपास आयात पर छूट के इस फैसले को नहीं रोकती, तो भारत आत्मनिर्भर होने के बजाय कपास क्षेत्र में विदेशियों पर निर्भर हो जाएगा।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में गिरावट; सेंसेक्स 270 अंक टूटा, निफ्टी 24500 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। इससे तीसरे दिन भी गिरावट जारी रही, क्योंकि उच्च टैरिफ लगाए जाने और लगातार विदेशी फंडों के बहिर्वाह के कारण निवेशक दबाव में बने रहे। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 61 पैसे गिरकर 88.19 (अनंतिम) के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 270.92 अंक या 0.34 प्रतिशत गिरकर 79,809.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 338.81 अंक या 0.42 प्रतिशत गिरकर 79,741.76 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 74.05 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 24,426.85 अंक पर बंद हुआ। पिछले तीन कारोबारी दिनों में बीएसई बेंचमार्क 1,826.26 अंक या 2.23 प्रतिशत गिर चुका है, और निफ्टी 540.9 अंक या 2.16 प्रतिशत गिर चुका है। अमेरिका ने भारत पर लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ अमेरिका ने 27 अगस्त से अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया है। इस उच्च शुल्क से कपड़ा, चमड़ा, जूते और झींगा जैसे कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्रों के निर्यात पर असर पड़ने की आशंका है। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.96 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2.21 प्रतिशत की गिरावट आई। इन्फोसिस, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और टेक महिंद्रा भी पिछड़ गए। वहीं आईटीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रेंट और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख लाभ में रहे। रिलायंस ने की बड़ी घोषणा इस बीच, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को 2026 की पहली छमाही में रिलायंस जियो की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश शुरू करने की घोषणा की। आरआईएल की 48वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए अंबानी ने घोषणा की कि जियो अब विदेशों में अपने परिचालन का विस्तार करेगा और अपनी स्वयं की कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक विकसित करेगा। बाजार अमेरिकी टैरिफ को झेलने की कोशिश कर रहा जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि निवेशकों की धारणा सतर्क रही क्योंकि बाजार अमेरिकी टैरिफ के पूरे प्रभाव को झेलने की कोशिश कर रहा था।

जापान की तकनीक और भारत की प्रतिभा से आर्थिक संबंध मजबूत; बोले जापान के पीएम इशिबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक और भारत की उत्कृष्ट प्रतिभा एक-दूसरे की पूरक हैं। इससे हमारे आर्थिक संबंधों का विस्तार हो रहा है। कई जापानी कंपनियां मेक इन इंडिया पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जापान की तकनीक और भारत की प्रतिभा ने आर्थिक संबंधों को विस्तार दिया है। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने शुक्रवार को भारत-जापान आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जापान ने मेक इन इंडिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत और जापान एक-दूसरे के पूरक इशिबा ने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक और भारत की उत्कृष्ट प्रतिभा एक-दूसरे की पूरक हैं। इससे हमारे आर्थिक संबंधों का विस्तार हो रहा है। कई जापानी कंपनियां मेक इन इंडिया पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आज हमारी कंपनियों के बीच नए सहयोग दस्तावेजों पर हस्ताक्षर, भारत में अपने निवेश को आगे बढ़ाने और सहयोग को मजबूत करने के लिए जापान की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रमाण देता है कि हम दोनों देशों को इर्द-गिर्द केंद्रीत अपनी आपूर्ति श्रृंखला का लगातार निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने प्रमुख पहलों का जिक्र किया उन्होंने कहा कि प्रमुख पहलों में लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत नीति के तहत तकनीक और बाजारों का लाभ उठाना, और सेमीकंडक्टर, जैव ईंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग करना शामिल है। एआई, अंतरिक्ष और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्रयास जारी हैं। दोनों सरकारें इन पहलों का समर्थन करती हैं। इनका उद्देश्य अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत टैलेंट तैयार करने पर दे रहा जोर, 7600 करोड़ की यूनिट का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत को जल्द अपनी पहली सेमीकंडक्टर चिप मिल जाएगी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी देश को समर्पित करेंगे। गुजरात के साणंद में 7,600 करोड़ की लागत से तैयार यूनिट का उद्घाटन हुआ। यह प्रोजेक्ट भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 50% वित्तीय सहायता से स्थापित हुआ है। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को जल्द ही अपना पहला सेमीकंडक्टर चिप मिल जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के पहले सेमीकंडक्टर चिप को देश को समर्पित करेंगे। वैष्णव ने गुजरात के साणंद जिले में सीजी सेमी प्राइवेट लिमिटेड की उन्नत आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट सुविधा का उद्घाटन किया। वैष्णव ने कहा, यह यूनिट सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अमेरिका की रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स और थाईलैंड की स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर करीब 7,600 करोड़ रुपये के निवेश से लगाई है। इस परियोजना को भारत सेमीकंडक्टर मिशन से 50% वित्तीय सहयोग भी मिलेगा। भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा का बड़ा मील का पत्थर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा का बड़ा मील का पत्थर है। मैंने माइक्रोन, कैन्स और धोलेरा के प्लांट्स भी देखे हैं। सभी जगह तेजी से काम हो रहा है। यह सपना अब हकीकत बनता दिख रहा है। भारत सेमीकंडक्टर मिशन सिर्फ फैक्टरियों पर नहीं, बल्कि टैलेंट तैयार करने पर भी जोर दे रहा है। वैश्विक स्तर पर 2032 तक लगभग 10 लाख विशेषज्ञों की कमी होने का अनुमान है। इस गैप को भरने के लिए भारत ने 270 विश्वविद्यालयों से साझेदारी की है, जहां छात्रों को दुनिया के सबसे एडवांस्ड चिप डिजाइन टूल्स उपलब्ध कराए गए हैं। वर्ष 2025 में ही छात्रों ने 12 लाख डिजाइन घंटे पूरे किए और 17 संस्थानों ने चिप डिजाइन कर उसे उत्पादन के अंतिम चरण तक पहुंचा दिया। 2021 में शुरू हुई थी सेमीकंडक्टर योजना केंद्र सरकार ने दिसंबर 2021 में 76,000 करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर योजना शुरू की थी।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु, शनिवार, 30 अगस्त 2025

पीएम पैतोंगतार्न शिनावात्रा को अदालत ने किया बर्खास्त

कंबोडियाई नेता से बात करना पड़ा भारी

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प हुई थी। जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए शिनावात्रा ने कंबोडिया के पूर्व पीएम और कंबोडिया की संसद के अध्यक्ष हुन सेन से फोन पर बातचीत की, जो शिनावात्रा के राजनीतिक करियर के लिए आत्मघाती साबित हुई। कंबोडियाई नेता के साथ फोन पर समझौता करने के आरोप में थाईलैंड की सांविधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से बर्खास्त कर दिया है। शिनावात्रा पर नैतिकता संबंधी सांविधानिक नियमों के उल्लंघन का आरोप है। गौरतलब है कि इन आरोपों में थाईलैंड की सांविधानिक अदालत ने जुलाई में पद से निलंबित कर दिया था और उनकी जगह उप-प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई को पीएम पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। कार्यवाहक सरकार संभालेगी जिम्मेदारी अब सांविधानिक अदालत ने शिनावात्रा को पद से बर्खास्त कर दिया है, जिसका मतलब है कि शिनावात्रा का कार्यकाल अब पूरी तरह से समाप्त हो गया है। नए प्रधानमंत्री के नाम को मंजूरी मिलने तक कार्यवाहक पीएम फुमथम प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। कार्यवाहक मंत्रिमंडल संसद को भंग करके नए चुनाव भी करवा सकती है। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पेतोंगतार्न शिनावात्रा की कंबोडिया के पूर्व पीएम के साथ हुई बातचीत का ऑडियो लीक हो गया था। इसके बाद थाईलैंड में हंगामा हो गया और प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू हो गए। इसके बाद सांविधानिक अदालत ने शिनावात्रा को नैतिकता के गंभीर उल्लंघन का दोषी माना और शिनावात्रा को पीएम पद से निलंबित कर दिया। क्यों हुआ विवाद 8 मई को थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प हुई थी। जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए शिनावात्रा ने कंबोडिया के पूर्व पीएम और कंबोडिया की संसद के अध्यक्ष हुन सेन से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में शिनावात्रा ने सीमा पर लगे प्रतिबंधों को हटाने पर चर्चा की। इस बातचीत में कथित तौर पर शिनावात्रा ने थाई सेना के कमांडर्स को विरोधी कह दिया और हुन सेन को अंकल कहकर संबोधित किया। इस बात पर थाईलैंड में विवाद हो गया। थाईलैंड की दक्षिणपंथी पार्टियों ने कहा कि इससे कंबोडिया के सामने थाईलैंड कमजोर लगा। इसके खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। इससे सरकार की सहयोगी पार्टी ने समर्थन वापस ले लिया। ऐसे में शिनावात्रा को पद छोड़ना पड़ा।

बिटकॉइन घोटाले में पूर्व विधायक समेत 14 आरोपी दोषी करार; कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में बिटकॉइन घोटाला मामले में पूर्व विधायक नलिन कोटडिया, अमरेली के पूर्व एसपी जगदीश पटेल, पूर्व पुलिस निरीक्षक अनंत पटेल समेत 14 आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। गुजरात में अहमदाबाद सिटी सेशंस कोर्ट की एसीबी विशेष अदालत ने शुक्रवार को सनसनीखेज 2018 बिटकॉइन घोटाले और अपहरण मामले में पूर्व भाजपा विधायक नलिन कोटडिया, अमरेली के पूर्व एसपी व आईपीएस अधिकारी जगदीश पटेल समेत 14 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। राज्य की राजनीतिक और पुलिस व्यवस्था को हिला देने वाले इस घोटाले में सूरत के बिल्डर शैलेश भट्ट का अपहरण, 200 बिटकॉइन की जब्ती और 32 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग शामिल थी। 'राजनीति, पुलिस और भ्रष्टाचार का गठजोड़' अभियोजन पक्ष के मुताबिक, तत्कालीन एसपी जगदीश पटेल के नेतृत्व में अमरेली के पुलिस अधिकारियों ने राजनीतिक हस्तियों और बिचौलियों के साथ मिलकर भट्ट का गांधीनगर से अपहरण कर लिया। उन्हें एक फार्महाउस में बंधक बनाकर रखा गया। राज्य की ओर से मामले की पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक अमित पटेल ने कहा, 'यह महज घोटाला नहीं था, यह राजनीति, पुलिस और भ्रष्टाचार का गठजोड़ था।

अफगानिस्तान में हवाई हमले में तीन की मौत

काबुल ने पाकिस्तान को ठहराया जिम्मेदार; राजनयिक तलब

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तालिबान सरकार ने पड़ोसी पाकिस्तान को पूर्वी अफगानिस्तान में हवाई हमलों को दोषी ठहराया। इन हमलों में तीन लोग मारे गए और सात घायल हुए। अधिकारियों और चश्मदीदों के मुताबिक, ये हवाई हमले नांगरहार और खोस्त प्रांतों में हुए। इनमें कई घरों को नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार देर रात हुए इन हमलों की निंदा की और इसे पाकिस्तान उकसाने वाला कृत्य बताया। मंत्रालय ने गुरुवार को अफगानिस्तान के राजदूत को भी तलब किया। वहीं, अफगान रक्षा मंत्रालय ने भी इन हमलों की निंदा की और कहा कि ऐसे क्रूर और निर्दयी कृत्य दोनों पक्षों के लिए लाभकारी नहीं हैं। ये कृत्य दोनों मुस्लिम देशों के बीच दूरियां बढ़ाते हैं और नफरत को बढ़ावा देते हैं। ऐसी गैरजिम्मेदाराना गतिविधियों के गंभीर परिणाम होंगे। वहीं, पाकिस्तानी सरकार और सेना इस हमले के आरोप पर कोई टिप्पणी नहीं की है। काबुल पहले भी पाकिस्तान पर अफगानिस्तान में तालिबान के संभावित ठिकानों पर हवाई हमले करने का आरोप लगा चुका है। पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) को पाकिस्तान में प्रतिबंधित समूह माना जाता है और इसे देश के सबसे खतनाक हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। नांगरहार के शिवारी जिले में एक घर पूरी तरह तबाह हो गया। परिवार के सदस्य मलबे से जो कुछ भी बचा सकते थे,

उसे निकालने की कोशिश कर रहे थे। शिनवारी जिले के निवासी शाह सावर ने कहा, उन्होंने मेरे घर पर पहला बड़ा बम गिराया। मेरा घर पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने बताया कि पहले उन्होंने मलबे से एक बच्चे को निकाला, फिर चार बच्चों और एक महिला को निकाला। नांगरहार के उपराज्यपाल मौलवी अजीजुल्लाह मुस्तफा ने कहा कि पाकिस्तानी ड्रोन से ये हमले किए गए। अफगान विदेश मंत्रालय ने बताया कि नांगरहार और खोस्त में तीन लोग मारे गए और सात घायल हुए। काबुल ने दिसंबर 2024 में भी पाकिस्तान पर टीटीपी के संभावित ठिकानों पर हवाई हमले करने का आरोप लगाया था। उस समय भी पाकिस्तान ने इन हमलों को स्वीकार नहीं किया था। काबुल ने बदले में पाकिस्तान के कई ठिकानों पर हमला करने का दावा किया था। ताजा हवाई हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान के शीर्ष राजनयिकों ने एक सप्ताह पहले काबुल में मुलाकात की थी और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया था। इसके अलावा, तीन महीने पहले पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कूटनीतिक संबंध बढ़ाए थे। हालांकि, इस्लामाबाद और काबुल के बीच संबंध 2021 से तनावपूर्ण बने हुए हैं, जब अफगान तालिबान ने सत्ता हासिल की थी। मुख्य रूप से काबुल पर टीटीपी को समर्थन देने का आरोप है, जो हाल के वर्षों में पाकिस्तान में सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमलों को बढ़ा चुका है।

शिवगंगा में भाजपा कार्यकर्ता की हत्या, पुलिस ने कहा- निजी विवाद के कारण हुई घटना; जांच जारी

शिवगंगा (तमिलनाडु) (एजेंसी)। तमिलनाडु के शिवगंगा में भाजपा नेता सतीश कुमार की कथित तौर पर कहासुनी के बाद बेहोश गिरने से मौत हो गई। उनके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। तमिलनाडु के शिवगंगा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जिला शाखा के सदस्य सतीश कुमार की हत्या कर दी गई। शिवगंगा पुलिस ने बताया कि सतीश कुमार और उनके परिचित मणिभारती के बीच कल एक मामूली कहासुनी और हल्की झड़प हुई थी। इस झगड़े के बाद सतीश कुमार बेहोश होकर गिर पड़े और बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि सतीश कुमार के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। शुरूआती जांच से पता चला है कि इस घटना में किसी भी प्रकार के हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि इस घटना का किसी राजनीतिक पार्टी, धर्म या जाति से कोई संबंध नहीं है। यह पूरी तरह से व्यक्तिगत विवाद के चलते हुई एक घटना थी, जिसका कोई पुराना झगड़ा या दुश्मनी से लेना-देना नहीं है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और मामले की जांच जारी है। शुरूआती जांच में यह भी सामने आया है कि इस घटना में किसी भी आपराधिक रिकॉर्ड वाले व्यक्ति की संलिप्तता नहीं है। सतीश कुमार की मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि सतीश को एक गिरोह ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला। घटना के समय सतीश कुमार और हमलावर सभी शराब के नशे में थे। पुलिस इस मामले में पांच से ज्यादा लोगों से पूछताछ कर रही हैं।

इस्त्राइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित किया, मानवीय मदद देने पर भी लगाई रोक

तेल अवीव (एजेंसी)। आईडीएफ ने कहा 'वे इस्त्राइली नागरिकों की रक्षा के लिए गाजा में आतंकवादी समूहों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाएंगे'। माना जा रहा है कि इस्त्राइली सेना गाजा शहर पर कब्जा करने की तैयारी कर रही है। इस्त्राइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है और साथ ही गाजा सिटी में मानवीय मदद के वितरण पर भी रोक लगा दी है। इससे गाजा शहर में रहने वाले हजारों लोगों की परेशानी और बढ़ेगी, जो पहले ही भुखमरी जैसे हालात से जूझ रहे हैं। इस्त्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज सुबह 10 बजे से गाजा सिटी में सैन्य गतिविधियों पर स्थानीय सामरिक रोक लागू नहीं रहेगी। इस क्षेत्र को खतरनाक युद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। इस्त्राइली सेना का दावा है कि हाल के हफ्तों में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश और वितरण को सुगम बनाने के लिए गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में इस तरह की रोक लगाई गई है। इस्त्राइली सेना आईडीएफ ने कहा कि गाजा शहर को छोड़कर, बाकी पूरे क्षेत्र में स्थानीय सामरिक रोक लागू रहेगी। आईडीएफ ने कहा 'वे इस्त्राइली नागरिकों की रक्षा के लिए गाजा में आतंकवादी समूहों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाएंगे'। माना जा रहा है कि इस्त्राइली सेना गाजा शहर पर कब्जा करने की तैयारी कर रही है, जहां गाजा की अनुमानित 10 लाख की आबादी में से आधी आबादी शरण लिए हुए है।

डेनमार्क में यूरोप के रक्षा मंत्रियों की बैठक, यूक्रेन जंग रोकने के लिए रूस पर दबाव बनाने का लिया संकल्प

ब्रसेल्स/नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोपीय देशों के रक्षा मंत्रियों ने डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करने के लिए बैठक की। यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब रूस ने कीव पर हवाई हमला किया है, जिसमें 23 लोगों की मौत हो गई और एक यूरोपीय राजनयिक दफ्तर को नुकसान पहुंचा। इस हमले से आक्रोशित यूरोप के रक्षा मंत्रियों ने बैठक से पहले ही रूस की आलोचना की और उसके खिलाफ और सख्त कदम उठाने की मांग की। इनमें जमा रूसी फंड जब्त करना, नए प्रतिबंध लगाना और यूक्रेन की सेना को अधिक मदद देना शामिल है। बैठक में यूक्रेन को सैन्य मदद बढ़ाने और यूरोपीय संघ में उसकी सदस्यता को लेकर चर्चा की गई। नेताओं ने इस बात पर भी चर्चा की कि यूरोपीय सैनिकों को यूक्रेन में तैनात किया जाए, ताकि वहां की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और भविष्य में अगर शांति समझौता हो तो उसकी निगरानी की जा सके। हालांकि, अमेरिका की मध्यस्थता कोशिशें फिलहाल रुकी हुई दिख रही हैं। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने कहा, हर कोई जानता है कि पुतिन शांति के प्रयासों का मजाक उड़ा रहे हैं। ऐसे में दबाव ही एकमात्र रास्ता है जो असर करता है। कीव में दो मिसाइलें यूरोपीय संघ के राजनयिक दफ्तर से करीब 50 मीटर की दूरी पर गिरीं। वहां कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन खिड़कियां और दरवाजे टूट गए। इस हमले के

विरोध में ब्रसेल्स में रूसी राजदूत को तलब किया गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को यूक्रेन पर हवाई हमलों के मामले में आपात बैठक बुलाई। यह बैठक यूक्रेन और यूरोपीय परिषद के पांच सदस्य देशों ब्रिटेन, फ्रांस, स्लोवेनिया, डेनमार्क और ग्रीस की मांग पर हुई। यूक्रेन के दो वरिष्ठ अधिकारी शुक्रवार को अमेरिका के ट्रंप प्रशासन से भी इस मसले पर बात करने वाले हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस हमले के बाद रूस के राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह खबर सुनकर दुख हुआ, लेकिन उन्हें कोई हैरानी नहीं हुई। लेविट ने यह भी कहा कि हाल के हफ्तों में यूक्रेन ने रूस के तेल उद्योग पर भी ताकतवर हमले किए हैं। उन्होंने कहा, शायद दोनों ही पक्ष इस युद्ध को खत्म करने के लिए तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति चाहते हैं कि युद्ध खत्म हो, लेकिन दोनों देशों के नेताओं को भी ऐसा ही चाहना होगा। कोपेनहेगन में काजा कल्लास ने कहा कि यूरोपीय संघ के 27 देशों के रक्षा मंत्री रूस पर और प्रतिबंधों, यूक्रेन को अधिक हथियार आपूर्ति युद्ध के बाद की सुरक्षा की तैयारी पर चर्चा कर रहे हैं। इसमें यह भी शामिल है कि युद्ध के बाद यूरोपीय संघ की प्रशिक्षण टीमों को यूक्रेन में भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा, हम आज इस पर चर्चा कर रहे हैं कि मिशन के उद्देश्यों को कैसे बदला जाए ताकि शांति समझौते के बाद तुरंत काम शुरू किया जा सके। उन्होंने रूस की आर्थिक नब्ज को निशाना बनाने वाले और सख्त प्रतिबंधों की मांग की। गुरुवार को अमेरिका ने यूक्रेन को 825 मिलियन डॉलर के हथियार बेचने की मंजूरी दी। इसमें लंबी दूरी की मिसाइलें और अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं, जिससे यूक्रेन की रक्षा क्षमता बढ़ेगी। लिथुआनिया की रक्षा मंत्री डोविले शकालिएने ने कहा कि कीव पर हुआ हमला यह दिखाता है ।

पूर्व पीएम और पूर्व प्रथम महिला के खिलाफ चलेगा मुकदमा

मार्शल लॉ का समर्थन और भ्रष्टाचार के आरोप

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में मॉर्शल लॉ लगाने वाले पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल के बाद अब पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू और पूर्व प्रथम महिला किम कियोन-ही को भी जेल जाना होगा। अभियोजकों ने उन पर मार्शल लॉ का समर्थन करने और भ्रष्टाचार से संबंधित मामलों में अभियोग लगाया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि आरोपों की घोषणा से पहले कई सप्ताह तक हान विशेष अभियोजकों की एक टीम की जांच के दायरे में थे। किम और यून दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और वे अभी भी हिरासत में हैं। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति पर पहले से ही सैन्य शासन लागू करने के प्रयास के तहत विद्रोह सहित कई आरोपों में मुकदमा चल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू पर लगे ये आरोप पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल के पिछले वर्ष लागू किए गए अल्पकालिक मार्शल लॉ को समर्थन दिया और उसे संवैधानिक रूप से वैध ठहराने की सक्रिय कोशिश की। उन पर झूठी गवाही और सरकारी दस्तावेजों में हेरफेर जैसे मामले भी दर्ज किए गए हैं। सहायक विशेष वकील पार्क जी-यंग ने कहा कि उस समय पद पर सबसे वरिष्ठ पद पर होने के नाते हान के पास यून की घोषणा को रोकने का अधिकार था, लेकिन उन्होंने इसे आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई। अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि उन्होंने कैबिनेट काउंसिल की बैठक में यून के फरमान को पारित करवाने का प्रयास किया था ताकि उसे वैधानिक रूप मिल सके। हालांकि, हान का कहना है कि उन्होंने राष्ट्रपति यून को इस योजना का विरोध जताया था। पूर्व प्रथम महिला किम कियोन-ही रिश्वतखोरी और स्टॉक मैनिपुलेशन की आरोपी वहीं, पूर्व प्रथम महिला किम कियोन-ही को रिश्वतखोरी और स्टॉक मैनिपुलेशन से जुड़े मामलों में अभियुक्त बनाया गया है। उन पर विवादित यूनिफिकेशन चर्च और अन्य स्त्रोतों से महंगे उपहार लेने के भी आरोप हैं। हालांकि, उनके वकीलों ने इन आरोपों को आधारहीन अटकलें बताया है। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल पहले से ही हिरासत में हैं और उन पर विद्रोह तथा मार्शल लॉ थोपने की कोशिश जैसे गंभीर आरोपों में मुकदमा चल रहा है।

वचनामृत (शरणों के वचन)

डॉ प्रभाशंकर 'प्रेमी'
प्रोफेसर (से. नि.), बेंगलूरू विश्वविद्यालय, बेंगलूरू

किसी को न चाहकर जंगल में जाकर रहना सुविचार नहीं,दुष्टता है। गांव में रहे तो लोगों का ऋण, वन में रहे तो तरुओं का ऋण, जो भी मिले,उसे लिंगार्पित कर स्वीकार करनेवाला शरण ही बुद्धिमान है, सकळेश्वरदेव!

इस वचन में शरण सकळेश मादरस प्रतिपादित करते है कि जो भी मिले उसे लिंगार्पित कर स्वीकार करनेवाला ही शरण है। सब से दूर होकर कानन में रहना ठीक नहीं है। गांव में रहे तो लोगों के ऋण में और वन में रहे तो वृक्षों ऋण में रहना पड़ता है। इसलिए जो भी मिले लिंगार्पित कर स्वीकार करना ही बुद्धिमानी है।

सकळेश मादरस

Printed Published and Owned by Asht Bhuja Pandey and Printed at MNS Printers Pvt. Ltd., No. 345/4, Bhattarahalli, Old Madras Road, Banglore Karnataka- 560049 and Published at No. 62, Sagar Sadan, 3rd Floor, 7th Cross Near Muneshwara Swamy Marikamba Temple, Pillareddy Nagar, Chikka-Banaswadi, Bangalore North, Bangalore Karnataka- 560043, Editor: Bandana Pandey, For- Editorial: 08048541879/ 8660106725, Advertisement: 9164117755, Email: hindsagarplk@gmail.com, RNI NO. KARHIN/2021/ 82440
सम्पादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।